खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के जोरा गांव में बाइक अनियंत्रित होकर सडक़ पर गिर गई, जिसमें 30 वर्षीय युवक की मौके पर मौत हो गई तो, वहीं उसका साथी गंभीर घायल हुआ है। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को अस्पताल में लाकर भर्ती कराया तो, वहीं मृतक के शव का मौके पर ही पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को अस्पताल लाया है, जिसका पीएम अस्पताल में कराया जा रहा है। थाना प्रभारी अरुण पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक मुकेश बैगा उम्र 30 वर्ष रमेश बैगा के साथ मोटरसाइकिल में सवार होकर अपने रिश्तेदारी में भेसहा जा रहा था, तभी रास्ते में जोरा गांव के पास बाइक अनियंत्रित होकर सडक़ पर गिर गई , जिसमें सवार मुकेश बैगा की मौके पर ही मौत हो गई तो, वहीं रमेश गंभीर घायल हो गया, रास्ते से गुजर रहे राहगीरों ने मामले की जानकारी पुलिस की डायल हंड्रेड को दी, जानकारी के बाद डायल हंड्रेड मौके पर पहुंची और घायल रमेश को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहीं थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि मुकेश की इस घटना में मौत हुई है, मामले पर मर्ग कायम किया है, जांच की जा रही है।'

एम्बुलेंस को साइड देने के चक्कर में सड़क से उतरी बस

शहडोल। शहडोल से रीवा की ओर जा रही यात्रियों से भरी एक बस एंबुलेंस को साइड देने के चक्कर में सडक़ से नीचे उतर गई। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी सोहागपुर भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि कैपिटल कंपनी की बस यात्रियों को लेकर शहडोल से रीवा की ओर जा रही थी। तभी बस स्टैंड से 12 किलोमीटर की दूरी पर निपानिया गांव में बस एंबुलेंस को साइड देने के चक्कर में सडक़ से नीचे उतर गई, जिसमें दो यात्रियों को मामूली चोटे पहुंची हैं। अन्य सभी यात्री सुरक्षित हैं। घटना देख स्थानीय लोगों ने मामले की खबर पुलिस को दी। जानकारी लगने के बाद बस हादसा सुन थाना प्रभारी अपने टीम के साथ मौके पर पहुंचे और देखा तो बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित थे। दो लोगों को मामूली चोट पहुंची थी, जिन्हें अस्पताल लाकर प्राथमिक उपचार कराया गया, जिसके कुछ देर बाद ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई। एंबुलेंस मरीज लेकर तेज रफ्तार से मेडिकल कॉलेज की ओर रही थी और बस शहडोल से रीवा की ओर जा रही थी।

धनपुरी समेत कांग्रेस के 12 पदाधिकारी भाजपा में शामिल

धुएं में उड़ गया जयसिंहनगर परिषद से कांग्रेस का वर्चस्व

शहडोल। कांग्रेस पार्टी की जयसिंहनगर नगरपरिषद ने उस समय जिले को अचंभे में डाल दिया जब अध्यक्ष समेत चार पार्षदों, ब्लाक अध्यक्ष और जिला उपाध्यक्ष सहित सात लोगों ने एकाएक भाजपा ज्वाइन कर ली। यह जिले के राजनीतिक इतिहास का शायद पहला ऐसा मामला होगा, जो इतना जबर्जस्त और सनसनीखेज होगा। परिषद के इस राजनीतिक बदलाव ने कांग्रेस पार्टी के निकम्मेपन और उसकी टूटन को उघाडक़र सडक़ पर रख दिया है। विलासिता में डूबा कांग्रेस संगठन आज बेपर्दा हो गया है। कांग्रेस का अध्यक्ष पद आज पार्टी की छवि को लेकर धुंए में डूबा नजर आता है। इनके कार्यकाल में पार्टी को वह दिन भी देखने पड़े जो आज तक जिले के इतिहास में कभी दिखाई नहीं पड़े। पार्टियों में समर्थको का आना-जाना होता था, लेकिन इस तरह एक निर्वाचित जनतांत्रिक संस्था के अध्यक्ष का संस्था के कार्यकाल के अंदर पार्षदों समेत पार्टी बदल लेना कोई सामान्य घटना नहीं है। अब कांग्रेस के पास अंगूठा चूसने के सिवाय कुछ नहीं बचा है। यही नहीं टूटन की स्थिति नगरपालिका धनपुरी में भी देखी गई, जहां से तीन पार्षद और एक महामंत्री तथा एक पदाधिकारी खैरहा से भाजपा में शामिल हुए। हालांकि कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने बाद में इज्जत बचाने का प्रयास करते हुए सभी को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है।

कांग्रेस से अलविदा हुए यह चेहरे

जयसिहनगर नगरपरिषद से कांग्रेस के जिन पदाधिकारियों ने भाजपा ज्वाइन की उनमें चेयरमैन श्रीमती सुशीला शुक्ला, गुडिय़ा अहिरवार (पार्षद वार्ड न 14),दीपक बैगा (पार्षद वार्ड नंबर 15),फिल्मत बैगा (पार्षद वार्ड नंबर 10),गेंदा बाई सोनी (पार्षद वार्ड नंबर 7) हैं। इनके अलावा बाबू लाल शुक्ला जयसिंह नगर(वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष),आदेश शुक्ला जयसिंह नगर (ब्लाक अध्यक्ष)ने भी साथ ही भाजपा ज्वाइन की है। इनके साथ ही धनपुरी का भी पन्ना खोलना जरूरी है। विनय सिन्हा धनपुरी (जिला महामंत्री) श्रीमति दिव्यरेखा सिन्हा धनपुरी (पार्षद वार्ड नंबर 21), विजय यादव धनपुरी (पार्षद वार्ड नंबर 2),चंद्रकांता कोल धनपुरी (पार्षद वार्ड नंबर 26),विद्या भूषण द्विवेदी खैरहा ने भी पार्टी छोडक़र भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है।

पार्टी विरोधी गतिविधि

क ांग्रेस जिला अध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने इन सभी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए इन्हे पार्टी की सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। उन्होने सफाई देते हुए कहा है कि यह सभी लगातार पार्टी विरोधी गतिविधियों मे संलिप्त होने एवं भाजपा संगठन से सांठगांठ रखते थे। इस कारण इन सभी को काँग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छः वर्षों के लिए निष्कासित किया जाता है। हैरानी की बात तो यह है कि जिला अध्यक्ष को इनकी गतिविधियों की जानकारी तब लगी जब इन्होने पार्टी ही छोड़ दी। कांग्रेस संगठन की निष्क्रियता का इससे बड़ा उदाहरण शायद ही देखने को मिलेगा।

ऐसा कृत्य नैतिकता से दूर है

जयसिंहनगर नगरपरिषद चेयरमैन और पार्षदों ने कांग्रेस के एजेंडे और चुनाव चिन्ह का सहारा लेकर चुनाव जीता है और जनता ने उन्हे अपना विश्वास देकर विजयी बनाया है। अब नगरपरिषद का कार्यकाल समाप्त होने तक उन्हे कांग्रेस के घोषणापत्र के अनुसार कार्य करना चाहिए। यही नैतिकता का तकाजा है। बीच में ही पार्टी बदल लेना जनता के विश्वास का गला घोटने जैसा है। दलबदलू भी कितने पानी में हैं, यह सभी जानते हैं। अगर भाजपा की टिकट से चुनाव लड़ा होता तो, शायद हालात कुछ और ही होते। राजनीति के जानकारों का कहना है कि कांगे्रस के एजेण्डे पर चुनाव जीतने वाले पहले संस्था का कार्यकाल पूर्ण करें, फिर पार्टी से इस्तीफा देकर दूसरी पार्टी ज्वाइन करें। अन्यथा यह मतदाताओं और कांग्रेस पार्टी के साथ धोखाधड़ी कहलाएगी।

कहीं घनश्याम भी न खिसक जाएं

जयसिंहनगर की श्रीमती सुशीला शुक्ला तो खिसक गईं, अब कहीं शहडोल के चेयरमैन घनश्याम जायसवाल का भी मन डांवाडोल न हो जाए। क्योंकि इनकी संगत भी भाजपाइयों के साथ है। जानकारी मिली है कि भाजपा के बड़े धाकड़ लोगों से इनके गहरे संबंध हैं। दाल में कुछ काला है, कहीं कांग्रेस जिला अध्यक्ष को बाद में इनके लिए भी न लिखना पड़े कि इनकी भाजपाइयों से सांठ-गांठ थी। लोगों का कहना है कि अध्यक्ष जी, अब भी वक्त है, घनश्याम को कम से कम सम्हाले रखिए। क्योकि कहां क्या चल रहा है, कौन कूद फांद कर सकता है, इसकी जानकारी आपको बहुत कम रहती है।

नगर परिषद अध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष सहित 4 पार्षद भाजपा में शामिल

नगर परिषद जयसिंहनगर हुआ कांग्रेस मुक्त

शहडोल। नगर परिषद जयसिंहनगर में बुधवार को एक राजनैतिक घटनाक्रम में कांग्रेस कमेटी के ब्लाक अध्यक्ष, नगर परिषद जयसिंहनगर की अध्यक्ष सहित पार्षदों ने भाजपा का दामन थाम लिया। इस राजनैतिक घटनाक्रम से अब जयसिंहनगर नगरपरिषद में भाजपा का कब्जा हो गया है। जयसिंहनगर के कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिला अध्यक्ष कमल प्रताप सिंह, जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह, जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी सहित मण्डल अध्यक्ष जयसिंहनगर रामनारायण पाण्डेय की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा जयसिंहनगर मण्डल अध्यक्ष रामनारायण पाण्डेय के नेतृत्व में जयसिंहनगर नगर परिषद की अध्यक्ष सुशीला शुक्ला, ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आदेश शुक्ला, पार्षद गेंदाबाई सोनी, पार्षद गुडिय़ा अहिरवार, पार्षद दीपक बैगा, पार्षद फूलमत बैगा, पार्षद शिवानी उपाध्याय एवं नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेसी नेता चक्रधारी शुक्ला, पूर्व उपाध्यक्ष नगर परिषद रामनारायण सोनी सहित दर्जनों कांग्रेसी नेताओं को भाजपा जिलाध्यक्ष कमल प्रताप सिंह, जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह एवं जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी द्वारा कमल पट्टिका पहनाकर मिष्ठान खिलाकर भाजपा की सदस्यता दिलाई।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री संतोष लोहानी, दीपक शर्मा, जिला उपाध्यक्ष भूपेन्द्र मिश्रा, शीतल पोद्दार, अरूण गौतम अध्यक्ष अंत्योदय समिति जयसिंहनगर, विनय केवट, सुनील मिश्रा, अरूण द्विवेदी, अंकित सिंह बघेल, दिवाकर पयासी, निर्मल द्विवेदी मण्डल उपाध्यक्ष, जयप्रकाश पाण्डेय पूर्व पार्षद, संपत मिश्रा उपाध्यक्ष नगरपरिषद जयसिंहनगर, यमुना प्रसाद मिश्रा, परदेशी चर्मकार, कपिलदेव सिंह बूथ अध्यक्ष, हीरालाल पाल जिला महामंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जयसिंहगर नगर परिषद की अध्यक्ष सुशीला शुक्ला ने कहा कि वे भाजपा की रीति नीति एवं कार्यप्रणाली से प्रभावित होकर भाजपा जिलाध्यक्ष कमल प्रताप सिंह, जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह, जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी एवं मण्डल अध्यक्ष रामनारायण पाण्डेय द्वारा अपने 5 पार्षदों सहित सदस्यता ग्रहण कर रही हूँ। भाजपा जिलाध्यक्ष कमल प्रताप सिंह ने कहा कि सेवा ही संगठन भाजपा का मूल मंत्र है , नगर परिषद जयसिंहनगर की अध्यक्ष और पार्षदों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्य और देश के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुई हैं।

कार्यक्रम का संचालन भाजपा महामंत्री संतोष लोहानी द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन जयसिंहनगर मण्डल अध्यक्ष रामनारायण पाण्डेय द्वारा करते हुए कहा कि नगरपरिषद की अध्यक्ष एवं पार्षदों का भाजपा में स्वागत है। जयसिंहनगर के विकास के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष कमल प्रताप सिंह एवं विधायक मनीषा सिंह कृत संकल्पित हैं। आगामी दिनों में जयसिंहनगर को बाईपास एवं नल जल योजना का शत प्रतिशत लाभ मिलेगा, जिससे क्षेत्र का विकास होगा।

बाढ़ वाले इलाकों में जनमानस जाने से बचे, बाढ आपदा के प्रति रहें सजगः कलेक्टर

शहडोल। बरसात को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर तरूण भटनागर ने जिले के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि कि बरसात के समय बाढ़ वाले इलाके जैसे नदियां, नाले, पुल आदि में जाने से बचें। उन्होंने कहा कि सूचना के लिए रेडियो सुनना, टेलीविजन देखना,सजग रहें कि आकस्मिक बाढ़ भी आ सकती है। किसान मौसम ऐप का प्रयोग कर मौसम की भविष्यवाणी को जानें। आकस्मिक बाढ़ आने की कोई संभावना हो तो किसी ऊचें स्थान पर तुरंत चले जाएं, नदियों, नहरों, नालों, घाटियों तथा अचानक बाढ़-ग्रस्त होने वाले अन्य क्षेत्रों से परिचित रहे। इन क्षेत्रों में बारिश के बादल या भारी बारिष जैसी किसी विशिष्ट चेतावनी के साथ या उसके बिना आकस्मिक बाढ़ आ सकती है, अपने घर की नालियों में बाढ़ के पानी को घुसने से रोकने के लिए मोरी की जालियों (सीवर ट्रैप्स) में चेक वाल्व लगाए। उन्होंने नागरिको से अपील करते हुए कहा कि बाढ़ वाले इलाकों में ड्राइविंग न करें तथा गीले हों अथवा पानी में खड़े हों तो बिजली के उपकरणों को नही छूंए। बारिश में साफ़ पानी और शुद्ध भोज्य पदार्थ का ही प्रयोग करें। युवा तथा अन्य सभी जल भराव वाले स्थानों पर सेल्फी लेने, पिकनिक करने, नहाने, कपड़े धोने और मवेशी धोने आदि के कार्य न करें तथा इन स्थलों से दूर रहें।

जिला व्यापारी संघ ने फिर सौंपा कलेक्टर के नाम ज्ञापन

शहडोल। विगत कई दिनों से पुलिस-प्रशासन द्वारा रात 10 बजे हूटर बजाकर दुकानों को बिना आदेश 10 बजे बंद कराया दिया जाता है साथ ही व्यापारियों से अभद्र व्यवहार किया जाता है, जिला व्यापारी संघ ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि संभागीय मुख्यालय के मध्य स्थित मोहनराम मंदिर पार्किंग परिसर में लगने वाली प्रदर्शनी का स्थान परिवर्तन किया जाये। ज्ञापन में व्यापारियों ने उल्लेख किया कि नगर के मध्य मोहनराम मंदिर पार्किंग परिसर में लगने वाली प्रदर्शनी जिसमें रेडीमेड कपड़ा, मनिहारी, प्लास्टिक, क्रोकरी किचन, नकली ज्वेलरी, किराने आदि से संबंधित वस्तुओं का विक्रय किया जाता है, जिससे शहर के स्थापित दुकानदारों को भारी नुकसान हो रहा है, दुकानदार अपने बिजली बिल, दुकान का किराया, टैक्स, कर्मचारियों की तनख्वाह, बैंक ब्याज एवं कई अन्य प्रकार के खर्चे निकालने में असमर्थ है, जिससे बैंक का लोन बढ़ते ही जा रहा है। व्यापारियों ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में उल्लेख किया कि विगत कई दिनों से पुलिस-प्रशासन द्वारा होटल, रेस्टोरेंट, पान ठेले, चौपाटी आदि दुकानों को बिना आदेश के रात्रि 10 बजे हूटर बजाकर बंद कराया जा रहा है एवं व्यापारियों से अभद्र व्यवहार किया जा रहा है, जिससे आमजन एवं व्यापारी परेशान हो रहा है। नगर की चरमराई ट्रैफिक एवं पार्किंग व्यवस्था को दुरूस्त किया जाए। नगर में बढ़ती जा रही चोरियों में पूर्णतः अंकुश लगाया जाए, ताकि आमजन का भय दूर हो सके। पूर्व में भी 29 मई को जिला व्यापारी संघ द्वारा ज्ञापन सौंपा गया था, उक्त विषयों को लेकर आश्वासन भी दिया गया था कि ज्ञापन के माध्यम से व्यापारी संघ एक बार पुनः अनुरोध करती है कि व्यापारियों के हित को ध्यान में रखते हुए प्रदर्शनी की अनुमति को उक्त स्थान में तत्काल निरस्त किया जाए एवं उक्त बिन्दुओं पर तत्काल कार्यवाही की जाए, ताकि आमजन एवं व्यापारियों का भरोसा प्रशासन पर बना रहे।

अतिवृष्टि और बाढ़ आने पर टीम वर्क से के साथ काम करें अधिकारी: कमिश्नर

शहडोल। कमिश्नर बी.एस.जामोद ने संभाग के सभी कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों एवं बाढ़ आपदा प्रबंधन से जुडे सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अतिवृष्टि और बाढ़ आने की स्थिति में बाढ आपदा प्रबंधन से जुडे सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करें और बाढ एवं आपदा की स्थिति में जनमानस के जान माल की सुरक्षा करें। कमिश्नर ने कहा है कि अतिवृष्टि और बाढ़ की स्थिति में जनमानस की सुरक्षा करना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। सभी विभागीय अधिकारी अतिवर्षा और बाढ की स्थिति में बाढ़ आने की सूचना मिलने पर सक्रियता के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें, बाढ़ की स्थिति में सभी विभागीय अधिकारियों की टीम बाढ प्रभावित क्षेत्र में समय पर पहुचकर बाढ प्रभावित लोगों की सहायता करें, बाढ प्रभावित लोंगो को सुरक्षित स्थानों पर पहुचानें की व्यवस्था करें। कमिश्नर ने शहडोल संभाग के सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए है कि वो बाढ संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर ऐसे क्षेत्रों में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। कमिश्नर ने यह भी निर्देश दिए है कि संभाग के सभी पहुचहीन गावं में आवश्यक खाद्यान्न एवं दवाईयों का भण्डारण भी सुनिश्चित कराएं। कमिश्नर ी.एस.जामोद ने उक्त निर्देश बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारियों की संभाग स्तरीय समीक्षा के दौरान वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि अतिवृष्टि और बाढ की स्थिति के सतत आकलन के लिए जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित कराएं तथा नियंत्रण कक्ष के माध्यम से बाढ़ की स्थिति की निरंतर मानीटरिंग कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया है कि जनमानस को दामिनी एप, मौसम एप की जानकारी दें तथा उन्हें इन एपों की उपयोग करने की समझाईस भी दें। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि अतिवृष्टि और बाढ आने की स्थिति में समाचार माध्यमों, सोशल मीडिया का समारात्मक उपयोग करें, बूढ़े और दिव्यांगों, बच्चों और गर्भवती महिलाओं को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से कैसे सुरक्षित स्थानें में पहुचाना है इसकी भी कार्य योजना तैयार करें। कमिश्नर ने होम गार्डस के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे अपने संसाधनों की स्थिति देखें वाटर वोट एवं अन्य उपकरणों की मरम्मत कराएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं कि टायर, ट्यूब, बांस और टार्च भी समुचित संख्या में अपने पास रखें। वीडियो कान्फ्रेंसिग के माध्यम से कमिश्नर ने निर्देश दिए कि नगरीय क्षेत्रों में तालाबों और नालों की साफ-सफाई कराएं। वीडिया कान्फ्रेंसिग में एडीजीपी श्री डीसी सागर ने कहा कि अतिवर्षा की स्थिति में जब बांधों के गेट खोलने की स्थिति निर्मित हो इसकी सूचना जनमानस तक तत्काल पहुचाएं विशेषकर नदी और नहरों के किनारे रहने वाले बाढ़ संभावित गावों में गेट खोलने की सूचना तत्काल दें, इसके लिए सोशल मीडिया साईट्स का भी उपयोग करें। उन्होनें कहा कि झरनों पर पिकनिक मनाने प्रतिबंधित करें तथा बाढ संभावित क्षेत्रों में लोगो को जाने से रोके। एडीजीपी ने शहडोल पुलिस जोन के सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए है कि वे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पिकनिक मनाने से पूर्णतः प्रतिबंधित करें तथा अतिवर्षा एवं बाढ़ आपदा से बचाव के बारें में लोगों को समझाईस दें। समीक्षा के दौरान कलेक्टर शहडोल ने आपदा प्रबंधन की तैयारियो के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि शहडोल जिले मे सोन नदी के बाढ संभावित गांव, मुडना नदी के किनारे बाढ संभावित गांव में बाढ की स्थिति की निगरानी के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। बाढ संभावित गावों तक पहुचने के लिए सडकों की मरम्मत कराई गई है। जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। पशु चिकित्सा विभाग, स्वास्थ्य विभाग के मैदानी कर्मचारियें अधिकारियों को बाढ की स्थति में सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कलेक्टर अनूपपुर ने बताया कि बाढ़ संभावित क्षेत्रों का चिन्हाकन किया गया है इसके लिए सूचना तंत्र को मजबूत किया गया है, बारिस के समय में संक्रामक रोगों की स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है। अनूपपुर जिले में वर्षा पूर्व नदी नालों की साफ -सफाई कराई गई है। तथा पहुच विहीन क्षेत्रों में खाद्यान्न का भण्डारण किया जा चुका है। वीडियो कान्फ्रेंसिग में कलेक्टर उमरिया ने बताया कि जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। बाणसागर के डूब प्रभावित 13 गावों में सतत निगरानी रखी जा रही है।

गंदगी से बजबजा रही अमरकंटक थर्मल पावर केंद्र की कॉलोनी

अमलाई। अमरकंटक थर्मल पावर केंद्र की कॉलोनी जहां सैकड़ो की संख्या में कर्मचारी और अधिकारी निवास करते हैं, यहां के आवासों के रखरखाव की जिम्मेदारी सिविल विभाग के जिम्मे रहती है और हर साल सिविल विभाग आवासों की मरम्मत के साथ ही नालियों की साफ सफाई और कॉलोनी क्षेत्र में गाजर घास और अन्य कचरा को व्यवस्थित करने के लिए लाखों रुपए के ठेके स्थानीय ठेकेदारों के देती है। लेकिन सिविल विभाग के अधिकारियों के द्वारा जमीनी स्तर पर निगरानी न करने के कारण ठेकेदार जहां अपने कार्यों से पूरी तरह विमुख हो चुके हैं और इस कारण कॉलोनी के वाशिंदे गंदगी के बीच रहने को मजबूर हैं, थर्मल पावर केंद्र के द्वारा वर्तमान में तिरुपति कंस्ट्रक्शन केल्हौरी नाम की संस्था को यह कार्य आवंटित किया गया है, बताया गया कि यह फर्म स्थानीय भाजपा नेताओं के द्वारा संचालित की जाती है,जिनका थर्मल पावर केंद्र और सिविल विभाग के अधिकारियों के ऊपर खासा दबाव भी है, यही कारण है कि ठेकेदार खुलकर पूरी तरह मनमानी कर रहे हैं और उन पर रोक लगाने वाला कोई भी नहीं है।

लाखों के बिल, सफाई शून्य

तिरुपति कंस्ट्रक्शन कंपनी को बीते कई वर्षों से सिविल विभाग द्वारा उक्त कार्य के अलावा अन्य कार्य भी समय-समय पर दिए जाते रहे हैं, ऊपरी तौर पर देखने में यह माना जा सकता है कि यह कार्य नियम पूर्वक टेंडर प्रक्रिया को अपनाते हुए आवंटित

किए जाते हैं,लेकिन इसके पीछे का खेल कुछ और ही है थर्मल पावर केंद्र कॉलोनी की अधिकांश नालियां और जर्जर मकान के अलावा प्रमुख मार्गों पर गाजर घास बीमारियों का आमंत्रण देती नजर आ रही है और विभाग द्वारा ठेकेदार को दी गई छूट को खुलकर बयान करती है, बताया गया कि श्रमिक कॉलोनी से दर्जनो शिकायतें सिविल विभाग के पास पड़ी हुई है लेकिन ठेकेदार और उसके कर्मचारियों तथा मेट अपनी मनमानी पर उतारू है, सिविल विभाग ने व्यवस्था बनाने के लिए हेल्पलाइन नंबर और शिकायत के काउंटर भी खोले हुए हैं लेकिन यदि ठेकेदार के द्वारा की गई मनमानी की शिकायत सिविल विभाग में पहुंचती है तो फिर यह तय माना जाता है कि उसे क्षेत्र का की व्यवस्था अब शायद ही कभी ठीक हो पाए।

ठेकेदार ने दबंग को दी जिम्मेदारी

तिरुपति कंस्ट्रक्शन कंपनी जो केल्हौरी के भाजपा नेता के द्वारा संचालित की जाती है इनके द्वारा मुंशी के तौर पर अशोक तिवारी नाम के कर्मचारियों को रखा गया है बीते दिनों सिविल विभाग में स्थानीय कॉलोनी में निवासरत लोगों के द्वारा जर्जर नाली और पाइप लीकेज आदि की शिकायतें की गई लेकिन शिकायतों का निराकरण नहीं हुआ उपभोक्ताओं ने जब इस मामले की लिखित शिकायत मंडल कार्यालय में जाकर की तो अशोक तिवारी नामक मुंशी के द्वारा उपभोक्ताओं से अभद्रता की गई यह पाइप या कोई पहला मौका नहीं है जब तिरुपति कंस्ट्रक्शन के उक्त कर्मचारी के द्वारा मनमानी की गई हो सिविल विभाग से जुड़े सूत्रों की माने तो बीते कई वर्षों से लगातार तिरुपति कंस्ट्रक्शन को सिविल विभाग द्वारा शॉर्टकट करके कार्यों का आवंटन किया जाता है सत्ताधारी दल का रौब दिखाकर फर्म के संचालक अपने बिल पूरे करवा लेते हैं और उनके इसी रौब के आगे सिविल विभाग में आने वाली शिकायतें भी शून्य हो जाती हैं।

अवैध विद्युत कनेक्शनधारी के खिलाफ कोल माइंस ने की कार्रवाई

धनपुरी। मुफ्त की बिजली मिलती हो और अगर चोरी की आदत पड़ गई हो, तो सबसे सरल टारगेट कोल माइंस की बिजली होती है और रीजनल वर्कशॉप की इतनी सख्ती के बावजूद लोग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। बल्कि एक तरह से प्रबंधन को ही चुनौती देते दिख रहे हैं। अमराडंडी के ट्रांसफार्मर में आई खराबी को दुरुस्त करने के लिए जब विद्युत टीम वहां पर कार्य कर रही थी और रीजनल वर्कशॉप के प्रभारी नीलेश डेहरिया इंजीनियर अजय द्विवेदी की नजर अमराडंडी माईनस क्वार्टर पर पड़ी तो, देखा कि कई लोग अभी भी अवैध कनेक्शन लगाकर अपने घर को रोशन कर रहे हैं और कई लोगों ने अपने प्रतिष्ठान को चला रहे हैं। उनकी हठधर्मिता देखकर अधिकारी को काफी गुस्सा आया और उन्होंने आनन-फानन में टीम के कई सदस्यों को बुलाकर, जिसमें विद्युत पर्यवेक्षक पंकज पाठक, फोरमैन युधिष्ठिर यादव व अन्य विधुत कर्मियों के साथ ताबड़तोड़ छापा डाले और कई लोग के अवैध कनेक्शन को हटाकर उनके केबल को जप्त किया। लोग बस इस बात की खबर लेने में जुड़े रहते हैं कि कहीं विद्युत दस्ता अन्य कॉलोनी की तरह उनके कॉलोनी की ओर तो नहीं जाएगा और जैसी ऐसा संकेत मिलता है तो वैसे ही दूसरे क्षेत्रों को लोग अलर्ट हो जाते हैं और अपने-अपने अवैध विद्युत कनेक्शन को हटाना शुरू कर देते हैं। तू डाल-डाल में पात-पात पाठ की तर्ज पर अब विद्युत अवैध कनेक्शन धारी पर जिस तरह से लगातार कार्रवाई हो रही है, उसे निश्चित रूप में कालरी एंप्पलाइज चैन की सांस ले रहे हैं, क्योंकि आए दिन उनकी शिकायत रहती थी कि उनके छत से अनधिकृत रूप से लोग चढक़र और विद्युत कनेक्शन लेते हैं और बोलने पर मारपीट करने पर आमादा हो जाते है। वर्कशॉप के प्रभारी लीलेश डेहरिया और इंजीनियर अजय द्विवेदी ने संयुक्त विज्ञप्ति में कहा की अवैध कनेक्शनधारी अपनी हरकतों से बाज आएं अन्यथा उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी । इस संबंध में अधिकारियों ने बताया की एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जो प्रतिदिन हर मोहल्ले का निरीक्षण करेगा और जो लोग अवैध विद्युत कनेक्शन ले रहे हैं, उनकी बकायदे वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी, उनके खिलाफ सबूत जुटाए जाएंगे और उनके नामजद शिकायत थाने में दी जाएगी।

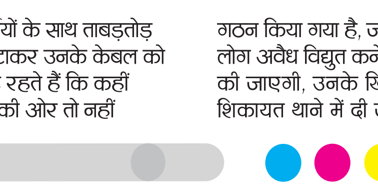

नाम सुधार

मैं तरुण कुमार विशनानी पिता दातूमल विशनानी निवासी वार्ड क्रमांक 4 कुम्हारन टोला बुढ़ार थाना व तहसील बुढ़ार जिला शहडोल (मध्य प्रदेश) का हूँ। शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि उपरोक्त पते का निवासी हूं। तथा मेरा आधार कार्ड क्र. 8411 9883 0520 हैं। यह की शपथ कर्ता के द्वारा पूर्व में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया था जिसका नंबर MP-18N-0059261 हैं। जिसमें मुझ शपथकर्ता का नाम तरुण विशनानी पिता दातूमल विशनदासानी दर्ज हैं, जो कि त्रुटिपूर्ण हैं। यह कि मेरे आधार कार्ड व शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम तरुण कुमार विशनानी पिता दातूमल विशनानी पता वार्ड क्र.4 कुम्हारन टोला बुढ़ार दर्ज हैं, जो कि सत्य व सही हैं । अतः मेरे ड्राईविंग लाइसेंस में सुधार करवाने बावत शपथ पत्र प्रस्तुत हैं।

हस्ताक्षर/शपथकर्ता
तरुण कुमार विशनानी

रिकवरी और जुर्माने तक सिमटा मामला, दर्ज हो आपराधिक प्रकरण

56 फीसदी उपभोक्ताओं का डकार गए राशन

उमरिया

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने शासन ने उसमें मशीन का उपयोग करने सहित कई सुधार किए लेकिन विक्रेताओं ने खाद्यान्न की कालाबाजारी करने के तरीके ढूंढ निकाले और आज भी चोरी बदस्तूर जारी है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि गड़बड़ी पकड़े जाने और उसके दण्ड श्रेणी में आने के बावजूद सक्षम अधिकारी मात्र रिकवरी वसूलने और नाममात्र का जुर्माना करने तक सीमित रहते हैं। भ्रष्टाचार करने वाले विक्रेता पर आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं कराया जाता है। अफसरों की यह रहमत विक्रेता पर क्यों बरसती है यह समझ के परे है। गोपालपुर की एक राशन दूकान में वर्ष 2021 में बड़ी धांधली पकड़ी गई, जिसमें पाया गया कि विक्रेता ने 56 फीसदी हितग्राहियों को खाद्यान्न से वंचित रखा था। उस पर तीन साल बाद कार्रवाई शुरू हुई और वह भी केवल 27,687 रु की रिकव्हरी और दो हजार जुर्माने तक सीमित है।

212 हितग्राहियों को मिला राशन

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बांधवगढ रीता डेहरिया ने बताया कि शासकीय उचित मूल्य दुकान गोपालपुर के विक्रेता द्वारा माह जनवरी 2021 में 481 हितग्राहियो में से 212 हितग्राहियों को राशन वितरण कुल 44.07 प्रतिशत किया गया था, जिसकी दूरभाष में हितग्राहियों द्वारा शिकायत प्राप्त होने पर 8 जून 2021 को जांच की गई। जांच मे पाया गया कि शासकीय उचित मूल्य दुकान का संचालन व्यासधाम स्व-सहायता समूह द्वारा किया जाता है। शासकीय उचित मूल्य दुकान की विक्रेता सरिता नापित आकस्मिक जाँच के समय अनुपस्थित रही। पी.ओ. एस. मशीन के द्वितीय उपयोगकर्ता सहायक विक्रेता रूपलाल साहू द्वारा वितरण करना पाया गया। जाँच के समय जनवरी 2021 में शेष रहे हितग्राहियों को 2 माह जनवरी एवं फरवरी 2021 का वितरण किया जना पाया गया ।

स्टॉक संधारण में गड़बड़झाला

शासकीय उचित मूल्य दुकान गोपालपुर के गोदाम का भौतिक सत्यापन करने पर गेहूं 52 बोरी भर्ती 50 किलो ग्राम व 5 बोरी खुली लगभग 28.50 क्विंटल चावल 67 बोरी भर्ती 50 किलो ग्राम लगभग , 33.50 क्विंटल नमक 1 बोरी खुली 30 पैकेट लगभग 0.80 क्विंटल, शक्कर 1 बोरी भर्ती 50 किलो ग्राम व 20 किलो ग्राम खुली लगभग 0.70 क्विंटल केरोसीन 1060 लीटर पाया गया। इस तरह स्टाक रजिस्टर अनुसार गेहूं 155.53 क्विंटल, चावल 130.50 क्विंटल, नमक 3.60 क्विंटल, शक्कर 4.42 क्विंटल व केरोसीन 1917 लीटर अद्यतन पाया गया तथा 8फरवरी 2021 का विक्रय गेहूं 120.84 क्विंटल चावल 92.98 क्विंटल , नमक 7.56 क्विंटल, शक्कर 3.71 क्विंटल व केरोसीन 920 लीटर वितरण करना पाया गया। इस तरह प्रारंभिक स्टॉक व जाँच के समय बिक्री पश्चात गेहूं 34.69 क्विंटल, चावल 37.52 क्विंटल, नमक 2.04 विवंटल, शक्कर 0.71 क्विंटल व करोसीन 997 लीटर होना चाहिए था जबकि भौतिक सत्यापन करने पर गेहूं 6.19 क्विंटल कम, चावल 4.02 क्विंटल कम, नमक 1.24 क्विंटल कम, शक्कर 0.01 क्विंटल कम व केरोसीन 63 लीटर अधिक पया गया।

हितग्राहियों ने भी खोली पोल

मौके पर उपस्थित हितग्राहियों के कथन लिपिबद्ध किये गये। शिकायतकर्ता एवं हितग्राही सुखराम बैगा पिता स्वर्गीय सतैया बैगा को 2 माह का पात्रता अनुसार गेहूँ व चावल 70 किलो ग्राम प्राप्त होना बताया गया लेकिन नमक व शक्कर 1-1 किलो ग्राम प्राप्त होना बताया गया। हितग्राही इन्द्रवती बाई पति स्व. श्री प्यारेलाल बैगा द्वारा दो माह जनवरी एवं फरवरी 2021 का गेहूं व चावल कुल 70 किलो ग्राम लेकिन नमक व शक्कर क्रमशः 1-1 किलो ग्राम प्राप्त होना तथा हितग्राही मोहन सिंह पिता स्व. गिरवर सिंह राठौर द्वारा माह नवम्बर 2020 का निःशुल्क राशन प्राप्त न होना बतलाया गया तथा केरोसीन विगत 3 माह से प्राप्त न होना बतलाया गया, जबकि विक्रेता द्वारा पी.ओ.एस. मशीन से वितरण दर्ज किया गया है।

मनमाने ढंग से खोली दूकान

विक्रेता सरिता नापित द्वारा माह जनवरी 2021 में समय से शासकीय उचित मूल्य दुकान न खोलकर पूर्ण वितरण न करना, हितग्राहियो को माह जनवरी 2021 व फरवरी 2021 के नमक व शक्कर 2 किलो ग्राम की जगह पर 1 किलो ग्राम प्रदाय करना, केरोसीन विगत 3 माह से प्रदान न करना गंभीर अनियमितता की श्रेणी में आता है। इस तरह विक्रेता सरिता नापित द्वारा किया गया कृत्य मध्यप्रदेश सर्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2015 कण्डिका 11(1), 11(3), एवं 11(6) का उल्लंघन है। प्रकरण पंजीयन किया जाकर अनावेदक को सूचना पत्र जारी कर तलब किया गया। अनावेदक व्दारा प्रस्तुत नोटिस के जवाब का अवलोकन किया गया जवाब संतोषजन नहीं पाया गया।

रिकवरी सहित दिया दण्ड

विक्रेता सरिता नापित द्वारा कृत्यन मध्यप्रदेश सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश का उल्लंघन किया गया जो इसी आदेश की कण्डिका 16 के तहत दण्डनीय है। सरिता नापित विक्रेता शासकीय उचित मूल्य दुकान गोपालपुर के विरुद्ध दुकान पर कम पाये गये खाद्यान की कुल राशि 27,687 रु की वसूली सरिता नापित से भू-राजस्व की भांति की जाकर शासन पक्ष में जमा कराये जाने का आदेश पारित किया गया । साथ ही 2000 रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है। अनावेदक दोनो उक्त राशि आदेश जारी दिनांक से 10 दिवस के अंदर मध्यप्रदेश शासन के विभागीय शीर्ष में चालान जमा करते हुए चालान की दो प्रतियां इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगे।

गरीब आदमी के जीवन में रोशनी का लाने का काम करें: शाह

उमरिया। गरीब आदमी के जीवन में नई रोशनी का संचार हो, लोग अपने पैरो पर खडे होकर आत्म निर्भर बनें, इस दिशा में नवाचार करने की जरूरत है । यह निर्देश प्रदेश शासन के जन जातीय कार्य विभाग, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत तथा पुर्नवास मंत्री डा कुंवर विजय शाह ने कलेक्टर सभागार उमरिया में आयोजित प्रधानमंत्री जन मन योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिए । जन जातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि भारत सरकार व्दारा बीमार व्यक्तियो के इलाज हेतु आयुष्मान योजना के माध्यम से पांच लाख रूपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जाता है । इलाज में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों की फीस के लिए अलग अलग मापदण्ड है । इसके लिए कलेक्टर टीम गठित कर अशासकीय स्वास्थ्य संस्थानों की जांच कराएं । आपने बताया कि प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि शहीद होने वाले सैनिकों को केन्द्र एवं राज्य सरकार व्दारा एक एक करोड रूपये की सहायता दी जाती है । अब यह सहायता शहीद की पत्नी को एक करोड रूपये तथा 50-50 लाख रूपये उनके माता पिता के खाते मे जमा की जाएगी । जन जातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने कहा कि जिले में बांधवगढ टाईगर रिजर्व क्षेत्र में होम स्टे योजना के क्रियान्वयन की व्यापक संभावनाएं है। प्रायोगिक तौर पर 10 जन जातीय परिवारों को योजना से लाभान्वित किया जाए। उन परिवारों को सब्जी उत्पादन, मछली उत्पाादन, दुग्ध उत्पादन, जैविक खाद, का प्रशिक्षण भी दिया जाए । इसी तरह बांधवगढ टाईगर रिजर्व पार्क मुख्यालय में जन जातीय कला एवं संस्कृति को संरक्षित एवं संवर्धित करने हेतु विभिन्न विभागों के सहयोग से ओपन थियेटर की स्थापना की जाए। जिससे यहां आने वाले पर्यटकों को पार्क में भ्रमण के अतिरिक्त मनोरंजन के अन्य साधन भी उपलब्ध हो सके । ऐसा करने से जहां स्थानीय कला, संस्कृति एवं पकवानों को संरक्षण मिलेगा वहीं स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिल सकेगा ।

माता एवं प्रकृति निःस्वार्थ प्रेम की प्रतिमूर्ति: दिलीप

प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक होगा पौधा मां के नाम अभियान का आगाज

उमरिया। माता और प्रकृति निस्वार्थ प्रेम की प्रतिमूर्ति है। मातृशक्ति और प्रकृति के संवर्धन के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी ने एक पौधा माँ के नाम अभियान का शुभारंभ किया था। आप सभी जिलेवासियों से भी विनम्र आग्रह है कि मातृशक्ति के सम्मान एवं पर्यावरण संरक्षण के इस महत्वपूर्ण अभियान से जुडक़र अधिकाधिक संख्या में वृक्षारोपण करें व हरित उमरिया, समृद्ध उमरिया के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।एक पौधा माँ के नाम अभियान प्रतीक है माँ के प्रति आदर का, सम्मान का, निष्ठा का, कर्तव्य का।आइये, कदम बढ़ाइये,और एक पौधा माँ के नाम लगाइये दिलीप पांडे जी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण जीवन को सुरक्षित करने जैसा है। स्वस्थ पर्यावरण ही सुरक्षित समृद्ध शशक्त जीवन की गारंटी है। पेड़ मानव जीवन के लिए ठीक वैसे ही जरूरी है जैसे जलीय जीव के लिए जल। अगर हम स्वस्थ रहना चाहते है तो

हमे पर्यावरण और प्रकति का भी ध्यान रखना होगा।जीवन के लिए जो जरूरी है वह ईश्वर ने हमे निशुल्क दिया है अब आवयश्कता है हमे इनके संरक्षण करने की। चाहे ऑक्सिजन की बात हो चाहे बाताबरण का ताप नियंत्रित करना हो चाहे मिट्टी का कटाव रोकना हो चाहे हानिकारक किरणों का अवशोषण करना हो चाहे अच्छी बारिश की बात हो इन सभी के लिए पेड़ो का होना अति आवश्यक है। पेड़ जीव के जीवन का आधार है। इनके बिना जीवन संभव नही है। जलवायु परिवर्तन के कारण अत्यधिक गर्मी बढ़ रही है तापमान में गंभीर वृद्धि हुई है। पेड़ वातावरण का ताप नियंत्रित करते है। अधिक पेड़ लगाना तापमान को सीधे कम करने और जीवन बचाने का सबसे सस्ता, सबसे तेज़ और सबसे प्रभावी तरीका है । पर्याप्त पेड़ होने से तापमान नियंत्रित रहता है। पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अहम पहल है, क्योंकि जीवनदायनी ऑक्सीजन का एकमात्र स्त्रोत वृक्ष ही हैं। मानव जीवन वृक्षों पर ही निर्भर है। यदि वृक्ष नहीं रहेंगे तो धरती पर जीवन संकट में पड़ जाएगा।
किसी भी राष्ट्र या समाज अथवा संस्कृति की सम्पन्नता वहां के निवासियों की केवल भौतिक समृद्धि में निहित नहीं होती है बल्कि वहां की जैव विविधता पर निर्भर होती है। भारतीय वन सम्पदा दुनिया भर में अनूठी एवं विशिष्ट है। हमारी संस्कृति, रीति-रिवाज, धर्म, तीज-त्योहार सब प्रकृति पोषित हैं। जंगल ही है जो जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों को कम करने की क्षमता रखते हैं, जिसके लिए वृक्षारोपण बेहद जरुरी है। इसी से सुधार संभव है।

वैश्विक विनिर्माण का केंद्र, विकसित भारत 2047: कामता

शहडोल। भारतीय ज्ञान परम्परा के महामनीषी, दार्शनिक, आध्यात्मिकता के मणिकांचन सुयोग्य, महान विचारक, वक्ता, और युवाओं हेतु महानतम विचारों के संरक्षक स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को विश्व की मानवीय सभ्यता के उत्थान के पीछे प्रेरणा के रूप में जाना है। उनके विचारों का अध्ययन करें तो ऐसा प्रतीत होता है जैसे युवाओं के भीतर छिपी आसीम शक्ति का उपयोग यदि सही दिशा में किया जाए और उसे महान आदर्शों की ओर निर्देशित किया जाए, तो समाज में निर्णायक परिवर्तन आ सकता है। स्वामी जी ने युवाओं में उत्कृष्ट चरित्र, नैतिक अखंडता और आत्मविश्वास की भावना के महत्व पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने युवाओं की आधुनिक शिक्षा और आध्यात्मिक ज्ञान का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया, जो न केवल ज्ञान प्रदान करे बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के साथ कर्तव्य और आत्मनिर्भरता की भावना को भी बढ़ावा दे।

राष्ट्र के पुनरुत्थान हेतु युवाओं की एक ऐसी पीढ़ी तैयार होनी चाहिए जो निडर, निस्वार्थ और मानवता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहे। उनके भाव मे नर सेवा-नारायण सेवा है, वह चाहते थे कि देश के युवाओं में मातृभूमि और राष्ट्रसेवा की दृढ़ इच्छा शक्ति हो। उन्होंने राष्ट्रसेवा के उद्देश्य से उस समय युवाओं से एक बार कहा था कि तुम सब जाओ, जहां कहीं भी प्लेग या अकाल का प्रकोप हो या जहां भी लोग संकट में हों उनके कष्टों को कम करने में मदद करो।

स्वामी जी विवेकानन्द के ओजपूर्ण भाषण ने 11 सितंबर, 1893 को विश्व धर्म संसद, शिकागो में सम्पूर्ण विश्व से विभिन्न धर्मों के धार्मिक और आध्यात्मिक सभासदों की उपस्थिति पर एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरुआत में सभा को उपस्थिति भगिनी और बंधु कहकर संबोधित करते हुए की, जिससे वे लोग बेहद प्रभावित हुए और करतल ध्वनियों से उनका वंदन, अभिनंदन किया।

उन्होंने कहा कि आपने हमारा जो स्नेह और सौहार्दपूर्ण स्वागत किया है, उससे मेरा दिल अवर्णनीय खुशी से परिपूर्ण गया है और मैं खड़े होकर आप सबका हृदय से आभार व्यक्त

करता हूं। मैं दुनिया में शिक्षुओं-भिक्षुओं के सबसे प्राचीन संप्रदाय की ओर से आपको धन्यवाद देता हूं। मैं सभी वर्गों और संप्रदायों के लाखों-करोड़ों देशवासियों और तमाम धर्मों की जननी की ओर से आपको धन्यवाद देता हूं। उन्होंने श्रोतागणों को आगे बताया कि मुझे ऐसे धर्म से होने पर गर्व है जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिक स्वीकृति दोनों सिखाई है। हम न केवल सार्वभौमिक सहिष्णुता में विश्वास करते हैं बल्कि हम सभी धर्मों को सच्चा मानते हैं। मैं एक ऐसे राष्ट्र से संबंध रखता हूं जिसने पृथ्वी पर सभी धर्मों और सभी राष्ट्रों के सताए हुए और शरणार्थियों को आश्रय दिया है। मुझे अपने राष्ट्र पर गर्व है।

उनका युवाओं के लिए सुप्रसिद्ध आह्वान था कि उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए और तुम्हें अंदर से बाहर तक आगे बढऩा है। कोई तुम्हें सिखा नहीं सकता, कोई तुम्हें आध्यात्मिक नहीं बना सकता। आपकी अपनी आत्मा के अलावा कोई अन्य शिक्षक नहीं है। साथ ही इस तथ्य पर जोर दिया गया कि किसी राष्ट्र की ताकत और जीवन शक्ति उसके युवाओं के हाथों में होती है। उनके लिए, युवा सकारात्मक परिवर्तन के अग्रदूत हैं, उनमें बेहतर भविष्य को आकार देने के लिए आवश्यक ऊर्जा, उत्साह और रचनात्मकता होती है और उन्हें अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने और उसका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, उनमें आत्मविश्वास और निडरता विकसित करने का आग्रह किया जाता है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा पाप यह सोचना है कि आप कमज़ोर हैं। ब्रह्मांड की सभी शक्तियाँ पहले से ही आपके अंदर समाहित हैं। ये हम ही हैं जो अपनी आंखों पर हाथ रखकर रोते हैं कि अंधेरा है। अपनी जिंदगी में जोखिम उठाओ। यदि आप जीतते हैं, तो आप नेतृत्व कर सकते हैं, यदि आप हारते हैं, तो आप मार्गदर्शन कर सकते हैं।

स्वामी जी ने युवाओं को खेल के मैदान में रहने की सलाह दी। वह लोहे जैसी मांसपेशियों, फौलाद जैसी नसों और विशाल हृदय वाला युवा चाहते थे। उनका दृढ़ मत था कि युवाओं को शारीरिक रूप से मजबूत और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। इसीलिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत की है, ताकि युवा भारत खेल के मैदानों पर कम से कम एक घंटा अपनी रूचि अनुसार खेल खेलने में व्यतीत करें।

जब युवा उच्च आदर्शों, उद्देश्य की भावना और व्यापक ज्ञान से परिपूर्ण होते हैं, तो वे भलाई के लिए एक अजेय शक्ति बन जाते हैं। चूंकि आज भारत ओजस्वी एवं यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी, सशक्त एवं कुशल नेतृत्व में अपने इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, इसलिए हम सभी को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। 21वीं सदी भारत की सदी होगी क्योंकि देश अपनी क्षमताओं के प्रति आश्वस्त होकर भविष्य की ओर तीव्रता से अग्रसर है। हमारा देश आज दुनिया की पांचवीं (5वीं) सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है और लगभग 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी, क्योंकि आईएमएफ के अनुमान के मुताबिक इसकी जीडीपी 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर जाएगी। वर्ष 2047 तक, भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। विकसित भारत के निर्माण हेतु युवा शक्ति को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, भारत ने चंद्रयान जैसे मिशनों के माध्यम से अंतरिक्ष में अपनी विजय पताका लहरा चुका है। भारत एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है। आइए, आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए स्वामी विवेकानन्द के जीवन दर्शन और सिद्धांतों का अधिकतम अनुसरण करें जिससे सर्वश्रेष्ठ भारत और भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार किया जा सके।

नाली के गंदे पानी से फैल रही दुर्गंध, रहवासियों का जीना हुआ दूभर, जनप्रतिनिधियो व अधिकारियों से की शिकायत

कोतमा। नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 4 निगवानी रोड में केरहा नाला के आगे नाली निर्माण के लिए 2 मार्च पहले खुदाई की गई थी। खुदाई करने के बाद से यहां पर ठेकेदार ने मुड़कर नहीं देखा है जिसकी वजह से वहां पर गड्ढा होने से लोगों को दुर्घटना होने का डर सता रहा है वही ठेकेदार के द्वारा आदि अधूरी नाली निर्माण का कार्य करते हुए नाली के लिए गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया है और उसी गड्ढे में लोगों के घरों के निस्तार का पानी भर गया है और उसी गड्ढे से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। जबकि उसे रास्ते में अस्पताल स्कूल एवं मंदिर के लिए लोगों का आना-जाना बना रहता है। गंदगी भर पानी से होकर लोग मंदिर पूजा करने के लिए जाते हैं, वही आधी अधूरी नाली निर्माण करने के बाद ठेकेदार के द्वारा बाकी निर्माण का कार्य शुरू नहीं किया गया है जानकारी यह लगी है कि ठेकेदार के द्वारा कहा गया है कि जितनी नाली संेक्शन थी

उतने में निर्माण कार्य कर दिया गया है बाकी स्वीकृत होने के बाद पूरा किया जाएगा। अधूरी नाली का कार्य स्वीकृत था तो ठेकेदार के द्वारा पूरा नाली निर्माण के लिए गड्ढा क्यों खोदा गया यह आसपास के रहवासियों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। नाली निर्माण का कार्य पूरा नहीं होने से लोगों के बीच में भी अब आक्रोश पर अपने लगा है। नगर पालिका द्वारा ठेकेदार के माध्यम से नाली के लिए गड्ढा खुदाई करने के बाद निर्माण कार्य न कराए जाने से यहां पर अब व्यवस्था फैली हुई है। खोदे गए गड्ढे में गंदा पानी भरा हुआ है जिससे दुर्गंध आ रही है साथ ही मच्छर भी पनप रहे हैं। आसपास के रहवासियों का नाली के गंदे पानी से आ रही दुर्गंध से जीना दूभर है। आसपास के रह वासियों ने जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों तक से शिकायत की लेकिन किसी ने भी अब तक इस पर ध्यान नहीं दिया है लोगों ने बताया कि दो माह पहले नगर पालिका के द्वारा विकास के नाम पर नाली बनवाने की शुरूआत की गई थी जिसके लिए सड़क के किनारे गड्ढा नुमा खुदाई कर देने के बाद से निर्माण का रोक दिया गया। बारिश होने से यहां पर पानी भर गया है और खतरा मंडराने लगा है आसपास के रहवासियों ने जिला कलेक्टर से जल्द नाली निर्माण शुरू करने की मांग की है।

बाल भारती स्कूल में आयोजित हुआ नशा मुक्ति एवं यातायात जागरूकता कार्यक्रम

जैतहरी। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह पवांर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंन्सूरी के निर्देशानुसार पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत आज जिला परिवहन अधिकारी सुरेंद्र सिंह गौतम एवं यातायात प्रभारी अनूपपुर ज्योति दुबे द्वारा बाल भारती पब्लिक स्कूल जैतहरी में छात्र-छात्राओं के बीच, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बच्चों के बीच चर्चा की गई। नशा एक ऐसी बुराई है, जिसकी पहुंच बहुत व्यापक है, समाज का हर तीसरा व्यक्ति इससे प्रभावित है। प्रत्येक वर्ष हजारों की संख्या में लोग नशीले पदार्थों से होने वाली बीमारियों के कारण मृत्यु के मुंह में जा रहे हैं। समाज की इस बुराई को दूर करने में हम सभी मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, हमें स्वयं तो इन बुराइयों से दूर रहना ही है, साथ ही हमारे समाज और परिवार को भी इन बुराइयों से बचाना है, क्योंकि समाज में व्याप्त यह बुराइयाँ समाज को खोखला कर रही है, नशीले पदार्थों के सेवन से, पारिवारिक कलह, विवाद, अपराध, परिवारों का टूटना,आर्थिक तंगी एवं अनेक जानलेवा बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। हमें इनसे दूर रहना है। ट्रैफिक रूल्स के बारे में भी बताया गया। यातायात नियमों के प्रति भी बच्चों को जागरुक करते हुए बताया गया कि हम सभी को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट एवं चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट आवश्यक रूप से धारण करना चाहिए। बच्चों को ट्रैफिक सिग्नल, रोड साइन, रोड मार्किंग, एक्सीडेंट के कारण, एवं बचाव हेतु सावधानी, राइट ऑफ वे, एमरजेसी केयर, गुड समेरिटन योजना, पीड़ति प्रतिकर योजना के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। रोड पर पैदल चलते समय या रोड क्रॉस करते समय क्या-क्या सावधानियां रखनी चाहिए बताया गया। जिला परिवहन अधिकारी अनूपपुर द्वारा बच्चों को लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया के विषय में विस्तार से बताए गए। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र एवं छात्राएं, प्राचार्य श्रीमती उन्नति जोशी, विद्यालय के शिक्षक एवं थाना यातायात से आरक्षक गणेश यादव उपस्थित रहे।

जन जातीय कार्य मंत्री का उमारिया हवाई पट्टी में हुआ स्वागत

उमारिया। प्रदेश के जन जातीय कार्य विभाग, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत तथा पुर्नवास मंत्री डॉक्टर कुँवर विजय शाह हवाई जहाज से उमरिया हवाई पट्टी पहुँचे, जहाँ पर जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों द्वारा उनका स्वागत किया गया।

इस अवसर पर पूर्व सांसद शहडोल ज्ञान सिंह, जन जातीय उपायुक्त जन जातीय कार्य विभाग शहडोल श्रीमती उषा सिंह, अपर कलेक्टर शिव गोविंद सिंह मरकाम, जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह महोबिया, एसडीओपी नागेंद्र सिंह, सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग अखिलेश पांडेय, शम्भू लाल खट्टर अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों ने स्वागत किया।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स में प्रशिक्षण के लिए 32 युवक-युवतियां अहमदाबाद रवाना

उमरिया। म.प्र.डे. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत दिनांक 25 जून को टाटा मोटर्स साणंद अंतर्गत टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स में प्रशिक्षण हेतु जिले के 50 युवक, युवतिया को अहमदाबाद में प्रशिक्षण हेतु चिन्हाकन किया गया है, जिसमें 32 युवक, युवतियों को चयनित किया गया। डिप्लोमा कोर्स हेतु आवश्यक पात्रता में परीपूर्ण युवक/युवतियों का चिन्हांकन किया गया है जिसमें क्रमशः विकासखण्ड करकेली के 17 युवक,युवतियों, विकासखण्ड पाली के 12 युवक/युवतियां एवं विकासखण्ड मानपुर के 3 युवक,युवतियों के उज्जवल भविष्य हेतु एक सूनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। जिसमें ग्रामीण अंचल अतर्गत मिशन से जुड़ी स्व सहायता समूहों की महिलाओं के परिवार की आर्थिक स्थिति का सुदृढ करने हेतु शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों को रोजगार के अवसर प्रदान किये जाते है।

मृत मवेशी के दुर्गंध से आसपास के रहवासी हो रहे परेशान

कोतमा। नगर पालिका कोतमा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 4 मवेशी बाजार में बुधवार को 1 मवेशी के मर जाने पर मवेशी मालिक द्वारा वहीं पर निर्मित तालाब के समीप फेंक दिया गया। इसके बाद तेज गर्मी एवं उमस के बाद मृत जानवर की दुर्गंध से आसपास रहने वालों को परेशानी होने लगी। तालाब में ही मवेशी पड़े होने से तालाब के पानी के भी दूषित होने का खतरा बढ़ गया। स्थानीय लोगों द्वारा उक्त घटना की सूचना नगर पालिका को दी गई लेकिन सुबह हुई घटना के शाम तक भी किसी प्रकार से मवेशी को उठाने के लिए हाका दल नहीं पहुंच सका। मवेशी बाजार के पास रहने वाले परिवारों का बदबू और दुर्गंध के कारण हाल बेहाल रहा। वॉर्ड वासियो का कहना है कि मृत मवेशी को नहीं हटाया गया तो महामारी फैलने का भी खतरा बढ़ जाएगा। अभी पूरे जिले में गंगा जल संवर्धन आभियान के माध्यम से जल सरंक्षण करने जागरूक किया गया वही दूसरी ओर तालाब में ही मृत जानवर को फेक दिया गया। जिससे पानी दूषित होने के साथ महामारी का खतरा बढ़ेगा।

खबर संक्षेप

ओम बिरला को उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने दी बधाई

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने ओम बिरला को भारत की 18वीं लोकसभा का स्पीकर निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि श्री बिरला का सुदीर्घ संसदीय जीवन एवं लोकतांत्रिक अनुभव भारत की लोकसभा के सहज संचालन में सहायक होगा।

वेतन आज तक करें जनरेट

रीवा। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी आरडी चौधरी ने जिले के सभी आहरण संवितरण अधिकारियों से 27 जून तक वेतन देयक जनरेट करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है कि सभी अधिकारी उक्त तिथि तक अनिवार्यतः वेतन देयक जनरेट कर दें जिससे एक जुलाई को शत-प्रतिशत अधिकारियों-कर्मचारियों को वेतन का भुगतान किया जा सके। समय पर वेतन जनरेट न करने पर माह की प्रथम तारीख को वेतन दिया जाना संभव नहीं होगा। जिन अधिकारियों, कर्मचारियों का वेतन किसी कारणवश रोका गया है, उन्हें छोड़कर शेष सभी के वेतन देयक जनरेट कर दें।

कलेक्टर करेंगी राजस्व कार्यों की समीक्षा

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल 28 जून को सुबह 10 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में राजस्व कार्यों की समीक्षा करेंगी। बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन तथा अन्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण, सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों एवं भू अर्जन के प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा, प्राकृतिक आपदा में राहत राशि वितरण, किसान सम्मान निधि, आवासीय भू अधिकार योजना, राजस्व वसूली तथा ऑडिट आपत्तियों के निराकरण की समीक्षा की जाएगी। अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने सभी राजस्व अधिकारियों को एजेण्डा बिन्दुओं की अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

रीवा। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी श्री एमबी ओझा द्वारा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की नियुक्ति की गई है। मध्यप्रदेश न्यायिक कर्मचारी साख एवं कल्याण सहकारी समिति रीवा के संचालक मण्डल के चुनाव के लिए सदस्यता सूची तैयार की जा रही है। इसके लिए सहकारी निरीक्षक विकास माठे को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। यह नियुक्ति मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम 1962 के तहत की गई है। मतदाता सूची के संबंध में उपायुक्त सहकारिता अशोक शुक्ला को अपीलीय अधिकारी बनाया गया है।

खाद्य बीज की दुकानों में किया छापा मार करवाई

मऊगंज। जिले के अंतर्गत हनुमना में संचालित खाद बीज की दुकानों को चेक कर लाइसेंस सहित मात्रा को चेक किया गया। वहीं बीजों के रेट सूची को भी चिपकाने के लिए निर्देश दिये गए। इस दौरान हनुमना एसडीएम राजेश मेहता सहित कृषि विभाग के संबंधित अधिकारी विकास द्विवेदी सहित कई टीम शामिल रहे।खाद बीज दुकान के संचालकों को नोटिस दिया गया है जिसमें सही दाम में खाद बीज को बेचने सहित लाइसेंस चेक करते हुए रेट सूची चिपकाने की भी निर्देश दिया गया है। वहीं कई दुकान संचालकों को नोटिस भी दिया गया है।

जिला पंचायत की बैठक आज

रीवा। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 27 जून को दोपहर दो बजे से जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई है। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल करेंगी। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान, वृक्षारोपण की तैयारी पंचायत निधि के उपयोग, जल जीवन मिशन के कार्यों, कृषि आदान तथा आयुष्मान योजना की समीक्षा की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के कर्मचारियों को तीसरा और चौथा समयमान वेतनमान स्वीकृत करने के प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी।

बुढ़ार के दुग्ध डेयरियों में बिक रहा कैमिकल युक्त अमानक दही, पनीर

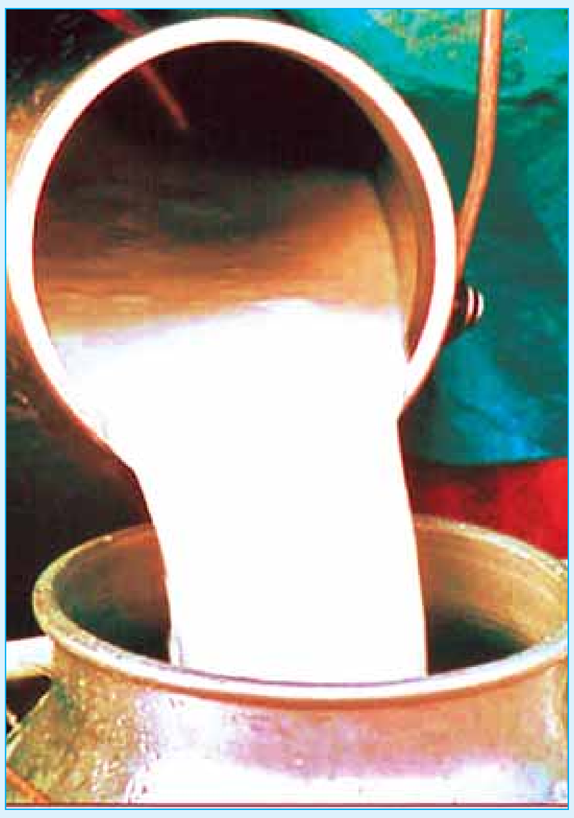

बुढ़ार।

नगर के विभिन्न दुग्ध डेयरियों में बिक रहा है कैमिकल युक्त दूध , दही घी पनीर खाद्य विभाग की दिखावे की जांच पड़ताल से भी कोई असर नहीं पड़ा और नकली पनीर, दही का गोरखधंधा जोरों से चल रहा है।

सावधान बिना जांचे परखे न खरीदें डेयरियों से दही, पनीर

कहीं आप भी तो नहीं कर रहे नकली पनीर का सेवन

पहले के समय में लोग अपने घर में कुत्ते-बिल्ली की जगह गाय-भैंस पालते थे. अब लोग शौकिया तौर पर लाखों के कुत्ते घर लाकर पालते हैं। उन्हें महंगे बिस्किट्स खिलाते हैं. उनके लिए कपड़े और गले का पट्टा खरीदते हैं. लेकिन गौ सेवा के नाम पर दूर भागते हैं. ऐसे लोग दूध और पनीर के लिए मार्केट पर निर्भर करने लगे हैं. पहले की तरह अब घर का ताजा दूध, दही घी और पनीर आपको कहां मिलेगा.इसके लिए बाजार में पैकेट के दूध और पनीर अवेलेबल होते हैं.

अगर आपको ऐसा लगता है कि इन दूध और पनीर को खाकर आप अपनी हड्डियां मजबूत कर रहे हैं या फिर इनके सेवन से आपको कैल्शियम और प्रोटीन मिल रह है,जो एक बार जरा ये खबर पढ़ लिजिये. आपको बता दें कि मार्केट में धड़ल्ले से नकली दूध और पनीर बिक रहा है. इनके सेवन से आपकी हड्डियां तो मजबूत नहीं होंगी लेकिन आपको कई तरह की बीमारियां जरूर हो जायेंगी।

सिंथेटिक दूध से बन रहा जानलेवा पनीर

सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो शेयर किये जाते हैं, जिसमें फैक्ट्री में नकली दूध तैयार करते हुए देखा जा सकता है. कुछ लोग अधिक मुनाफे के लालच में सिंथेटिक दूध बनाकर उनकी पैकेजिंग कर मार्केट में असली दूध बताकर बेचते हैं।

नकली पनीर बेचकर कर रहे करोड़ों का धंधा

इन लोगों को आम जनता के स्वास्थ से कोई मतलब नहीं रखते. इसी नकली दूध व पनीर के सेवन से कैल्शियम की भरपूर मात्रा न मिलने के कारण कई लोगों की हड्डियों में कई तरह की समस्याएं देखने को मिल रही है। आपने कई जगहों पर खुले में पनीर बिकते देखा होगा. लोगों को लगता है कि ये पनीर दूध से फ्रेश तैयार कर बेचा जा रहा है. कुछ दुकानदारों बेहद सस्ते दाम पर इन पनीर को बेचते हैं.आम जनता कम दाम में प्रोटीन खरीदकर खुद को भाग्यशाली समझने लगते हैं. लेकिन वो ये नहीं जानते कि ये प्रोटीन नहीं बल्कि जहर है. इसके सेवन से उनकी हेल्थ अच्छी नहीं, बल्कि और ज्यादा खराब होगी. लोगों को कोशिश करनी चाहिए कि दूध लाएं और घर पर ही उससे पनीर बनाएं. ताकि वाकई में दूध और पनीर के जरिये बॉडी में प्रोटीन और कैल्शियम जाए,

फूड्स विभाग की नाक के नीचे खप रहा नकली पनीर का व्यापार

सूत्रों की माने तो शहडोल जिले से लालपुर सेमरा से नकली पनीर की सप्लाई शहडोल मार्केट में होता है पर फूड्स विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जाती जिसका नतीजा लोगो के सेहत पर पड़ रहा हैं, और यह नकली पनीर विक्रेता शादियों के सीजन में यह नकली पनीर से करोड़ो रुपए की कमाई करते हैं, जो हमारी टीम द्वारा इस नकली पनीर का जांच किया गया तो पनीर की असलियत देखकर रूह कांप गया तब समझ में आया कि हम पनीर नहीं पनीर के नाम पर जहर खा रहे हैं हालांकि यह मामला जांच का है, पर कही ना कहीं फूड्स विभाग के सह पर पनीर के नाम पर जहर परोसा जा रहा है।

किसानों को डीएपी के स्थान पर एनपीके के उपयोग की सलाह

रीवा

जिले के कृषकों को सलाह दी गई है कि वह डीएपी के स्थान पर एनपीके उर्वरकों का प्रयोग करें। कृषि वैज्ञानिकों ने अपनी सलाह में कहा है कि डीएपी में केवल दो तत्व नाइट्रोजन व फास्फोरस प्राप्त होते हैं। जबकि एनपीके उर्वरक से फसलों के लिए आवश्यक सभी तीन मुख्य पोषक तत्वों नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की उपलब्धता होती हैं। इस प्रकार एनपीके उर्वरक से नत्रजन एवं स्फुर के अलावा पौधों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व पोटाश की पूर्ति किसान भाई सफलतापूर्वक कर सकते हैं। अतः एनपीके उर्वरक का प्रयोग करने पर किसान भाईयों को अलग से पोटाश डालने की जरूरत नहीं पड़ती है व लागत में कमी आती है। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने किसान भाईयों के लिए डीएपी के स्थान पर एनपीके खाद का उपयोग करने की सलाह दी है। उप संचालक ने कहा है कि फसलों में उर्वरकों का संतुलित उपयोग लाभदायक होता है। डीएपी के स्थान पर सिंगल सुपर फास्फेट और एनपीके का उपयोग अधिक लाभदायी है। इससे जमीन को सल्फर की प्राप्ति होती है। सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग खेत की तैयारी के समय किया जाता है। जिससे यह फसलों में अधिक कारगर रहता है। डीएपी में उपलब्ध 18 प्रतिशत नाइट्रोजन में से केवल 15 प्रतिशत नाइट्रोजन तथा 46 प्रतिशत फास्फोरस में से 39 प्रतिशत फास्फोरस पानी में घुलकर मिट्टी को प्राप्त होता है। शेष फास्फोरस मिट्टी में जमा हो जाता है जिससे मिट्टी कठोर हो जाती है। इसकी जल धारण क्षमता घटती है। उप संचालक ने बताया है कि आगामी फसल में शंकर धान एवं शंकर मक्का के लिए नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश एनपीके खाद का उपयोग अधिक लाभकारी होगा।

आज वार्ड क्रमांक 6 में पार्क का विधायक जयसिंह करेंगे शिलान्यास

बुढार। नगर परिषद के द्वारा नगर के लिए एक नई सौगात "पार्क" के रूप में मिलने जा रही है जिसका शिलान्यास जैतपुर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक जय सिंह मरावी के द्वारा 27 जून को करेंगे शिलान्यास। शिलान्यास कार्यक्रम के मुख्यातिथि जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी एवं नगर परिषद बुढार की अध्यक्षा श्रीमती शालिनी सरावगी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया है।प्रभारी सीएमओ सौरभ श्रीवास्तव ने नगर के सभी अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों से आग्रह करते हुए कहा है कि आज 27/06/24 दिन गुरुवार दोपहर 12:00 बजे हनुमान मंदिर बिजली आफिस सब स्टेशन रुंगटा रोड वार्ड नंबर 6 में पहुंचकर शिलान्यास कार्यक्रम में अपनी गरिमा में उपस्थिति प्रदान कर।

बरसात के पहले नपा ने नगर के चोक नालियों को स्वछता अभियान के तहत कराया क्लीन

प्रभारी सीएमओ सौरभ नगर के वार्डों का किया निरीक्षण

बुढार

बुधवार को नगर परिषद के सफाई कामगारों ने नगर के प्रमुख स्थल जैन मंदिर रोड से रेलवे स्टेशन चौक तक की चोक नालियों को स्वछता विशेष अभियान के तहत साफ-सफाई की गई जिससे बरसात होने के पूर्व नालियों से पानी की निकासी व्यवस्थित रूप से हो सकें जिसका प्रभारी सीएमओ सौरभ श्रीवास्तव ने निरीक्षण भी किया। नगर के विभिन्न वार्डों में नालियों के अलावा कचरा वाहन भी नियमित रूप से डोर टू डोर जाकर गीला एवं सुखा कचरा एकत्रित करने में पहले से और अब सक्रिय हो गया है। प्रभारी सीएमओ सौरभ श्रीवास्तव ने बताया की हमारा प्रयास है कि नगर के 15 वार्डो में बर्षा होने के पूर्व नालियों की साफ-सफाई को बेहतर ढंग से कर स्वच्छता अभियान के तहत विशेष सफाई अभियान चलाकर स्वच्छ बनाना एवं नगर वासियों को नियमित रूप से पीने का पानी मिले ऐसा प्रयास किया जा रहा है। सफाई अभियान में स्वच्छता प्रभारी राधिका तिवारी, सुश्री रागिनी चूटहेल सहित भारी संख्या अपना योगदान दिया।

नगर निगम आयुक्त के निर्देशानुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा

लगातार अतिक्रमण पर कार्यवाही

रीवा।

शहर में बढ़ रहे अतिक्रमण पर निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 26.06.2024 को वार्ड 10 में अल्प आय वर्ग सोसाइटी की सड़क पर बीएल तिवारी द्वारा रोड पटरी में निर्माण कार्य हेतु गिटटी गिरवाकर रोड ब्लाक कर दिया गया था, जिससे मोहल्लावासियों के आवागमन में असुविधा हो रही थी। मोहल्लावासियों द्वारा शिकायत किये जाने पर अतिक्रमण प्रभारी श्री ज्ञानेन्द्र द्विवेदी द्वारा तत्काल गिटटी को हटवाया गया एवं संबंधित के ऊपर रू. 5000 की चालानी कार्यवाही की गई। साथ ही कहा गया कि दुबारा पुनरावृत्ति होने पर कड़ी कार्यवाही की जावेगी। जय स्तंभ से हास्पिटल चौराहा, धोबिया टंकी तक एवं शहर के प्रमुख मार्गो पर सड़क पटरी पर किये गये अस्थाई अतिक्रमण को खाली कराया गया। उक्त कार्यवाही में अतिक्रमण प्रभारी के साथ अतिक्रमण दल मौजूद रहा।

कलेक्टर ने 8 अधिकारियों को दिया कारण बताओ नोटिस

रीवा

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले 8 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सीएम हेल्पलाइन की मई माह की रैंकिंग में स्कूल शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक निर्माण विभाग, वित्त विभाग, खनिज विभाग, श्रम विभाग तथा योजना एवं सांख्यिकी विभाग की रैंकिंग डी श्रेणी में है। कलेक्टर ने इस संबंध में कहा है कि अधिकारियों द्वारा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में रूचि न लेने तथा लापरवाही बरतने के कारण रैंकिंग में गिरावट आई। संबंधित सभी अधिकारी लंबित प्रकरणों का तीन दिवस में निराकरण करके कारण बताओ नोटिस का संतोषजनक उत्तर समक्ष में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समय सीमा में निर्देशों का पालन न होने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन मनोज तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता तथा अग्रणी बैंक प्रबंधक संजय निगम को नोटिस दिया है। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग मनोज द्विवेदी, जिला खनिज अधिकारी श्रीमती दीपमाला तिवारी, प्रभारी जिला श्रम अधिकारी आशुतोष सिंह तथा जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी आरके कछवाह को कारण बताओ नोटिस दिया है।

समाधान एक दिन योजना के लिए प्राधिकृत अधिकारी तैनात

आमजनता के आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण करने तथा वांछित सेवाएं तत्काल उपलब्ध कराने के लिए समाधान एक दिन योजना लागू है। इस योजना में आवेदन पत्रों के निराकरण के लिए रोस्टर के अनुसार प्राधिकृत अधिकारी लोक सेवा केन्द्रों में तैनात किए गए हैं। इनके साथ-साथ लिंक अधिकारियों की भी नियुक्ति की गई है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि रीवा ग्रामीण लोक सेवा केन्द्र में सोमवार को नायब तहसीलदार बनकुइयाँ, मंगलवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रीवा, बुधवार को परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास, गुरूवार को बीआरसी रीवा, शुक्रवार को वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी तथा शनिवार को परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर ने बताया कि रीवा शहरी लोक सेवा केन्द्र में सोमवार को सहायक आपूर्ति अधिकारी, मंगलवार को श्रम अधिकारी, बुधवार को परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास परियोजना क्रमांक-2, गुरूवार को वन परिक्षेत्र अधिकारी, शुक्रवार को स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम तथा शनिवार को जिला प्रबंधक व्यापार एवं उद्योग केन्द्र को प्राधिकृत अधिकारी बनाया गया है। रायपुर कर्चुलियान लोक सेवा केन्द्र के लिए सोमवार को नायब तहसीलदार मनिकवार, मंगलवार को सीईओ रायपुर कर्चुलियान, बुधवार को परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास, गुरूवार को बीआरसी रायपुर कर्चुलियान, शुक्रवार को वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी तथा शनिवार को बीईओ रायपुर कर्चुलियान को प्राधिकृत अधिकारी बनाया गया है।

कलेक्टर मऊगंज ने राजस्व, जनपद एवं नगर परिषद अधिकारियों की बैठक लेकर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

राजस्व निरीक्षक पटवारी सचिव रोजगार सहायक अपने निर्धारित कार्य स्थान में प्रत्येक दिन उपलब्ध रहें - कलेक्टर

मऊगंज। मानसून को देखते हुए कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव द्वारा 25 जून मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार मे जिले के हनुमना, नईगढ़ी, मऊगंज के सभी राजस्व अधिकारियों, जनपद सीईओ तथा नगर परिषदों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की बैठक ली।एवं निर्देश दिए गए की बारिश के मौसम में यथा संभव स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाए। कलेक्टर श्रीवास्तव द्वारा निर्देश दिए गए की आवश्यकता अनुसार बावली, कुआ में लाल दवा ब्लीचिंग पाउडर जैसी आवश्यक दवाई डाली जाए। उन्होंने कहा कि मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जाए। जिसके अंतर्गत लोगों को जागरूक किया जाए कि घर के आसपास स्थाई रूप से भरे हुए पानी को खत्म किया जाए। घरों में पुराने बर्तन, मटके, टायर, कूलर आदि के एकत्रित पानी को हटा दिया जाए क्योंकि इसमें मलेरिया आदि के मच्छर उत्पन्न होते हैं। आयोजित बैठक दौरान कलेक्टर श्रीवास्तव द्वारा निर्देश दिए गए की मच्छरों से बचाव हेतु लगातार फागिंग मशीन से फागिंग किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी लगातार सतर्कता बरती जाए तथा कहीं पर भी उल्टी दस्त फैलने की घटना की जानकारी लगते ही फौरन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए । उन्होंने कहा कि अस्पतालों में आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक रखा जाए। साथ ही बारिश के दौरान होने वाली प्राकृतिक घटनाओं से हुए नुकसान तथा ओलावृष्टि से जन हानि,बिजली गिरने से लगी आग, सर्पदंश आदि की घटनाओं पर त्वरित कार्यवाही किए जाने के निर्देश जारी किए गए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सड़कों पर गोवंशो के बैठने से दुर्घटना की संभावना होती है। तथा सड़क से एक गोवंश घर लाना है अभियान के अंतर्गत लोगों को जागरूक किया जाए तथा सहभागिता ली जाए । कलेक्टर श्रीवास्तव ने निर्देश दिए कि जिले में समस्त राजस्व निरीक्षक, पटवारी, सचिव, रोजगार सहायक अपने निर्धारित कार्य स्थान में प्रत्येक दिन उपलब्ध रहे।जिनकी उपस्थिति ली जाएगी। आयोजित बैठक दौरान अपर कलेक्टर अशोक कुमार ओहरी, डिप्टी कलेक्टर कमलेश पुरी, मऊगंज एसडीएम बीके पांडेय, हनुमना एसडीएम राजेश मेहता सहित जिले के सभी तहसीलों के तहसीलदार, नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मौजूद रहे।

हनुमना बॉर्डर पर चेकिंग के दौरान 18 वाहनों पर की गई चलानी कार्यवाही

मऊगंज।

जिले में एसपी वीरेंद्र जैन के निर्देश पर यातायात थाना प्रभारी अमित विश्वकर्मा के द्वारा इन दिनों लगातार की जा रही ताबड़तोड़ कार्यवाही की जा रही है। यातायात व्यवस्था बे पटरी होती जा रही थी जिसे यातायात थाना प्रभारी अमित विश्वकर्मा सजकता दिखाते हुए नियमित रूप से चेकिंग जारी कर दी है जहां यातायात व्यवस्थाओं में सुधार भी देखा जा रहा है लेकिन अभी भी चोरी छुपे कुछ मोटर मालिक के द्वारा अपने कारनामों से बाज नहीं आ रहे हैं। वही यातायात थाना प्रभारी के द्वारा कड़ी कार्यवाही की जा रही है। यातायात थाना प्रभारी द्वारा एक मैक्स गाड़ी जो बिना परमिट ओवर सवारी लोड कर दौड़ रही थी उसे पर कार्यवाही करते हुए हनुमाना थाना को सुपुर्द किए हैं। वही 18 अन्य गाड़ियों पर चालानी कार्यवाही करते हुए9100 का राजस्व वसूला गया। इस समय लोग गाड़ी का बीमा और हेलमेट लगाने में तत्परता दिखाने लगे हैं फिर भी कुछ लोग अभी भी लापरवाही कर रहे हैं अगर यातायात थाना प्रभारी के द्वारा गहन चेकिंग जारी रही तो जल्द ही यातायात व्यवस्था दुरुस्त दिखेगी।

खबर संक्षेप

मोबाइल चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेन्द्र सिंह पवार के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर इसरार मंसूरी एवं एसडीओपी अनूपपुर सुमित केर केट्टा के मार्गदर्शन में कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा वीवो सर्विस सेंटर से बैग सहित पांच मोबाइल कुल कीमती 60 हजार रुपए चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। 25 जून को अनूपपुर में गणेश टॉकीज के पास वीवो मोबाइल सर्विस सेंटर के संचालक शिवम कुमार सोनी पिता राजू प्रसाद सोनी उम्र करीब 22 साल निवासी चचाई के द्वारा थाना कोतवाली अनूपपुर में रिपोर्ट की गई कि सर्विस सेंटर से एक बैग में रखे हुए पांच वीवो कंपनी के स्माटफोन किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया है, जिसकी रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 325 /24 धारा 379 भारतीय दंड विधान पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना की गई। टी.आई. कोतवाली अरविंद जैन के साथ प्रधान आरक्षक राजकुमार साहू एवं आरक्षक पूणानंद मिश्रा के द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सी.सी.टी.वी. कैमरे एवं आसपास के लोगों से पूछताछ कर पतासाजी करते हुए अज्ञात आरोपी का पता कर शनि बैगा पिता स्वर्गीय चमरू बैगा उम्र करीब 48 साल निवासी ग्राम सकरा अनूपपुर के कब्जे से चोरी किये गए पांच वीवो कंपनी के स्माटफोन बैग सहित बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

नशा मुक्ति के लिए दिलाया गया संकल्प

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के समस्त नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर नशामुक्ति हेतु लोगों को संकल्प दिलाया गया तथा नशा व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से अवनति की ओर ले जाता है, इस हेतु नशा मुक्त स्वच्छ, सुरक्षित व समृद्ध समाज के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की गई।

नदी में नहाने गये किशोर-किशोरी की डूबने से मौत

राजेन्द्रग्राम। पुष्पराजगढ़ के थाना राजेन्द्रग्राम अंतर्गत ग्राम बसनिहा में जोहिला नदी में 25 जून की दोपहर नहाने गये दो किशोरो की डूबने से मृत्यु हो गई। सूचना पर पुलिस ने दोनों के शवों को नदी से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंप कर मर्ग कायम करते हुए जांच प्रारंभ कर दी है। जानकारी अनुसार ग्राम बसनिहा निवासी अशोक गुप्ता के घर से पांच बच्चे 25 जून की दोपहर पास में बह रही जोहिला नदी मे नहाने गए, जहां नहाते समय 20 वर्षीय किशोरी आकांक्षा पिता अशोक गुप्ता ग्राम बसनिहा एवं 16 वर्षीय अंशु पिता बिहारी गुप्ता ग्राम मरवाही दोनों गहरे पानी मे चले जाने से डूब गए और दोनो की मृत्यु हो गई। इस दौरान अन्य बच्चों ने दोनों को बचाने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो सके। बताया जाता है कि अंशु गुप्ता कुछ दिन पहले ही बसनिहा अपनी बुआ के यहां आया था किसी को तैरना नहीं आता था।

शासकीय सेवकों को कार्यालयीन समय पर उपस्थित होने के निर्देश

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने जिले के सभी शासकीय सेवकों को निर्देशित किया है कि वे राज्य शासन द्वारा निर्धारित कार्यालयीन समय पर प्रतिदिन कार्यालय में उपस्थित रहें। ज्ञात रहे कि राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी परिपत्र के माध्यम से सम्पूर्ण प्रदेश के समस्त शासकीय कार्यालयों का कार्यालयीन समय प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक नियत किया गया है।

जंगली हाथी और मानव द्वंद रोकने वन विभाग नाकाम

हाथियों के दहशत से ग्रामीण होते हर वर्ष परेशान

हाथियों के दल मचा रहे उत्पात, घरों में तोड-फोड़, जन-जीवन अस्त-व्यस्त

पूर्व भी भांति इस बार भी रेस्क्यू की जरूरत, विधायक ने भी कही यह बात

15 जून से जिले मे दो हाथियों के दस्तक से क्षेत्र मे दहशत का माहौल है। हाथियों के आतंक से जहां ग्रामीणों मे खौफ का माहौल व्याप्त है वही हाथी घरों मे रखे अनाज समेत खेतों, बाड़ी मे लगे फसलों को चौपट कर रहे हैं, लेकिन जिले का वन अमला सिर्फ कोरम पूर्ति तक ही सीमित है। जिससे जहां एक ओर प्रभावित ग्रामीणों मे वन विभाग के प्रति रोष व्याप्त है वही जिला प्रशासन की औपचारिकतापूर्ण कार्यवाही से ग्रामीणों को संकटापन्न स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, परंतु वन विभाग समेत जिला प्रशासन हाथियों को रोकने मे नाकाम साबित हो रहा है।

अनूपपुर।

15 जून से जिले मे सक्रिय 2 सदस्यीय हाथियों ने ग्रामीणों का सुख-चैन छीन लिया है। हाथी फसलों को तो तबाह कर ही रहे हैं साथ ही आबादी क्षेत्र के निकट पहुंच कर घरों में भी तोडफोड़ कर रहे हैं। हाथियों से अपनी जान-माल की सुरक्षा के लिए ग्रामीणों को लगातार रात में जागना पड़ रहा है। आमतौर पर हाथी सूर्यास्त होने के बाद अपनी भूख-प्यास मिटाने के साथ ही आबादी क्षेत्र में घुसकर तोड़-फोड़ मचाते हैं। लोगों का कहना है कि हाथियों के झुंड फसल के साथ-साथ घर को भी बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं, साथ ही जान का भी खतरा बना रहता है। पिछले साल भी कई घरों को हाथियों के द्वारा क्षति पहुंचाई गई जिससे लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा और इस साल भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

हाथियों को रोकने मे नाकाम वन अमला

जिले में जंगली हाथियों का रिहायशी क्षेत्रों और खेतों में आकर उत्पात मचाने का सिलसिला थम नहीं रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली हाथी आए दिन आकर फसलों को तहस-नहस कर रहे हैं। वन विभाग के हाथियों और अन्य जंगली जानवरों को रिहायशी क्षेत्रों में आने से रोकने के सभी प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। वन महकमा स्टाफ और संसाधनों की कमी का रोना रो रहा है। किसानों का कहना है कि आए दिन हाथी फसलें व मकान उजाड़ रहे हैं। जिससे किसानों में हाथियों की दहशत की स्थिति बनी हुई है। दूसरी ओर जिन किसानों की फसलों को नुकसान पहुंच रहा है उन्हें उचित मुआवजा भी समय पर नही मिल पा रहा है। पूर्व मे जिस तरह हाथियों का रेस्क्यू कर नेशनल पार्क भेजा गया था उसी तरह इन हाथियों का भी रेस्क्यू जरूरी है, लेकिन वन विभाग बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रही है जिसके बाद शायद रेस्क्यू की कार्यवाही की जायेगी।

पिछले साल तीन लोगों की ले चुके जान

ज्ञातव्य है कि यह दोनों हाथी जिसमें एक एक दांत एवं एक दो दांत वाले हाथी विगत वर्षों पूर्व आए पांच हाथियों के समूह के ही सदस्य हैं जो एक वर्ष पूर्व छग राज्य के मरवाही वन परिक्षेत्र के घुसरिया, सिवनी बीट से विचरण करते हुये जिले के जैतहरी तहसील एवं अन्य वन पर क्षेत्र में विचरण करते हुए अलग-अलग की संख्या में आवागमन करते रहे हैं। इन दोनों सदस्य प्रत्येक स्थलों से भली भांति परिचित है। ज्ञातव्य है कि विगत वर्ष 4 जुलाई 2023 को छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा को पार कर पांच हाथियों का समूह जैतहरी तहसील एवं वन परिक्षेत्र के चोलना बीट एवं राजस्व गांव में प्रवेश करते हुए साल भर पांच, तीन, एक, एक की संख्या के विचरण करते रहे जिसके कारण हजारों किसानों के खेतों के साथ बाडी में लगे फसलों के साथ ही मकान को हाथियों द्वारा नुकसान किया गया था वही हाथियो के हमले के कारण जिले के तीन ग्रामीणों की मौत भी हुई थी वही अनेक घायल भी हुये थे। चार माह तक निजात मिलने बाद फिर से एक बार हाथियों का समूह जिले में प्रवेश किया है यह दो हाथी पूर्व में आए पांच हाथियों के समूह के सदस्य हैं जिसमें एक एक दांत वाला हाथी तथा एक दो दांत वाला बड़ा हाथी है।

आवश्यक सामग्रियों के मोहताज सुरक्षा श्रमिक

ज्ञात हो कि वनविभाग की सबसे छोटी लेकिन सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण अंशकालिक सुरक्षा श्रमिकों को विभाग द्वारा कपड़े, जूते एवं टॉर्च तक मुहैया नहीं कराई गई है जबकि बड़े-बड़े वाहनों मे चलने वाले बड़े-बड़े अफसर हजारों रुपए कीमती टॉर्च उन्ही के पास ही उपलब्ध रहता है जबकि अंशकालिक सुरक्षा श्रमिक टॉर्च एवं जूता जैसी आवश्यक सामग्रियों के न होने पर भी मोबाइल की टॉर्च के सहारे हाथियों पर निगरानी रखते हाथियों के आगे एवं पीछे जंगल, पहाड़ एवं खेतों में चलने को मजबूर रहते हैं जिन्हें तत्काल संसाधन उपलब्ध कराने की अपेक्षा डीएफओ से की गई है।

सिर्फ हवा में निर्देश हकीकत से कोसों दूर

हाथी प्रभावित क्षेत्रो मे अनूपपुर वन मंडलाधिकारी हाथियों के विचरण की स्थिति का जायजा लेते हुए ग्रामीणों से चर्चा कर वनविभाग के अधिकारियों कर्मचारियों को ग्रामीणों की सुरक्षा करते हुए हाथियों पर निरंतर नजर बनाए जाने के निर्देश के साथ किसी भी अधिकारी कर्मचारी द्वारा बरती जाने वाली लापरवाही पर कठोर कार्यवाही करने की बात कही है, परंतु यह निर्देश हवा हवाई है क्योंकि हाथियों के मूवमेंट की पुष्ट जानकारी के बाद भी ग्रामीणों के मकानों, फसलों को बचाने के सार्थक प्रयास नही होने तथा इसकी जानकारी होने के बाद भी विभाग द्वारा कार्यवाही न करना कोरम पूर्ति ही है।

ग्रामीण मजबूरी मे कर रहे आपत्तिजनक उपाय

वन विभाग की निष्क्रियता से ग्रामीणों में तनाव एवं अशांति का माहौल बना हुआ है जिससे कुछ ग्रामीण अपने घर एवं खेत बाड़ी को हाथियों के प्रवेश से रोकने तथा हाथियों के ताण्डव से बचाने के लिए आपत्तिजनक उपाय का प्रयोग करने को बाध्य हो रहे हैं। निरंतर दो हाथियों के विचरण एवं नुकसान से ग्रामीण परेशान है वहीं जिला प्रशासन एवं वन विभाग के द्वारा अब तक हाथियों को जिले से बाहर करने का कोई कारगर उपाय नहीं कर पा रहे हैं जिस कारण ग्रामीणों में आक्रोश की स्थिति बढती जा रही है। हाथी घर, बाड़ी, खेत में प्रवेश न करें इस हेतु ग्रामीण विभिन्न तरह के साधन एवं अत्यंत खतरनाक कदम उठाने को बाध्य हो रहे हैं वहीं वन विभाग ग्रामीणों को हाथियों के समूह के नजदीक न जाने, ऐसा कोई कार्य या विद्युत लाइन, महुआ, शराब न रखने, खेतों में करन्ट नहीं फैलाने, हाथियों पर पत्थर एवं अन्य से हमला न करने जैसे अनेकों सुझाव देकर कोरमपूर्ति कर रही है।

विधायक ने भी कहा-लें ठोस निर्णय

23 जून को ग्राम ठेगरहा मे पुष्पराजगढ विधायक फुन्देलाल सिह मार्को, कलेक्टर अनूपपुर आशीष वशिष्ठ, पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह पवार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा, एसडीएम अनूपपुर दीपशिखा भगत, तहसीलदार, वनविभाग के आला अधिकारी, पुलिस विभाग के कर्मचारी, जनप्रतिनिधि संतोष कुमार पांडे हाथी प्रभावित क्षेत्र पहुंचे जहां ग्रामीणों ने समस्या के समाधान की मांग की। इस दौरान पुष्पराजगढ़ विधायक फुन्देलाल सिह मार्को ने कलेक्टर से मांग की कि छत्तीसगढ़ से आए दोनों हाथियों को जहां से आए है उन्हें वहां वापस भेजा जाए। साथ ही उन्होंने वन विभाग को कहा कि किसी प्रकार की जनहानि ना हो तत्काल इन्हें एक-दो दिन में यहां से वापस किया जाए उन्होने कहा कि 2 दिन में यह काम हो जाना चाहिए ताकि किसी प्रकार की जनहानि ना हो। उन्होंने कहा कि हाथियों के छत्तीसगढ़ से आने का मार्ग प्रतिबंधित किया जाए और बार-बार आने वाले हाथियों को पूर्व की तरह कान्हा या बांधवगढ़ भेजा जाए।

अनूपपुर में मंडल स्तर पर मनाया गया हिन्दू साम्राज्य दिवस

अनूपपुर।

छत्रपति वीर शिवाजी को हिन्दुस्तान में हिन्दू पद पादशाही का संस्थापक माना जाता है। उन्होने मुगलों के विरुद्ध मराठा साम्राज्य की स्वतंत्रता को वीरता पूर्वक बनाए रखा। वे भारत में शौर्य, समर्पण और हिन्दू एकता के सच्चे ध्वज वाहक थे। छत्रपति वीर शिवाजी महाराज जी के जन्मोत्सव के 350 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे हिंदू साम्राज्य दिवस का कार्यक्रम 20 से 23 जून तक पूरे देश में मनाया गया। इसी तारतम्य में अनूपपुर जिले के सभी मंडलों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ चालक राजेन्द्र तिवारी, जिला व्यवस्था प्रमुख हरिशंकर वर्मा, सामाजिक समरसता के जिला संपर्क प्रमुख मनोज कुमार द्विवेदी, दिलीप शर्मा, दिनेश तिवारी सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में जिला मुख्यालय सहित चचाई, मण्डल पिपरिया, बरबसपुर एवं मेडियारास में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बरबसपुर स्थित कोल समाज के शिव मन्दिर में उक्त पदाधिकारियो के साथ आनंद राम कोल की अध्यक्षता एवं बिसाहूलाल रौतेल, ज्ञानेन्द्र सिंह परिहार, फणिदास, भैया लाल राठौर, संतोष रजक, रामजी, सुजीत नापित, राजन यादव, लखन लाल कोल, सेजराम कोल, भोले, रासु सिंह, पुरुषोत्तम पटेल, नर्मदा पटेल सहित अन्य लोगो की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला संघ चालक ने उपरोक्त विचार व्यक्त किये। वीर शिवाजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए श्री तिवारी ने कहा कि शिवाजी का जन्म 19 फरवरी 1630 को शिवनेरी दुर्ग, पुणे, महाराष्ट्र में हुआ था। उनका पूरा नाम शिवाजी राजे भोंसले था। उनके पिता का नाम शाहाजी और माता का नाम जीजाबाई था। शिवाजी पर उनकी मां के धार्मिक गुणों का गहरा प्रभाव था। शिवाजी की प्रारंभिक शिक्षा घर पर ही हुई। उन्हें धार्मिक, राजनीतिक, और युद्ध विद्या की शिक्षा दी गई। शिवाजी की मां जीजाबाई और कोंडदेव ने उन्हें महाभारत, रामायण और अन्य प्राचीन भारतीय ग्रंथों का पूरा ज्ञान दिया। उन्होंने बचपन में ही राजनीति और युद्ध नीति सीख ली थी। उनका बचपन राजा राम, गोपाल, संतों तथा रामायण, महाभारत की कहानियों और सत्संग के बीच बीता। वह सभी कलाओ में माहिर थे। इस अवसर पर सर्वप्रथम वीर शिवाजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम को ज्ञानेन्द्र सिंह परिहार, मनोज द्विवेदी, बिसाहूलाल रौतेल, आनंद राम कोल सहित अन्य लोगों ने भी संबोधित कर शिवाजी को नमन किया। कार्यक्रम का संचालन हरिशंकर वर्मा ने किया।

सक्षम जीवन कौशल के तहत तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

अनूपपुर। जनजातीय कार्य विभाग और मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में जिले के स्कूलों में सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम संचालित है जिसमें शिक्षकों के द्वारा खेल गतिविधियों के माध्यम से जीवन कौशल सिखाया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय सीवाईएल का प्रशिक्षण अनूपपुर जिले के अनूपपुर विकासखंड में संपन्न हुआ जिसमें अनूपपुर ब्लॉक के 20 युवा युवतियों ने सम्मिलित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया जो विद्यार्थी स्कूल नियमित नहीं आते हैं उन्हें चिन्हित कर हितधारको के सहयोग से स्कूल नियमित पहुंचने का सहयोग प्रदान करेंगे साथ ही स्कूल में जो सक्षम कार्यक्रम चल रहा है उसमें बच्चों को मैजिक सीट मेरी सीख की किताब को बनाने में मदद करेंगे एवं शाला प्रबंधन समिति को सुदृढ़ बनाने का कार्य किस तरह से करें ताकि स्कूल में और समुदाय में शिक्षा के स्तर में सुधार किया जा सके साथ ही बाल संसद को सुसज्जित बनाने के विषय पर भी समुदाय युवा नेता की समझ बढ़ाई गई इस प्रशिक्षण में खेल-खेल के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया और गांव की समस्या को चिन्हित कर हितधारकों के सहयोग से समस्या का कारण और समाधान के विषय पर समझ बढ़ाई गई। प्रशिक्षण से युवाओं में उत्साह दिखाई दिया कि हम अपने गांव की समस्या को पहचान कर निवारण करेंगे और इस कार्यक्रम में भागीदारी लेते हुए जिम्मेदारी लेंगे और समुदाय में समस्या समाधान करने में निरंतरता लाने के संबंध पर कार्य करेंगे। प्रशिक्षण संपन्न करने में जिले के डीपीएम अविनाश वर्मा बीपीएम अंकित मिश्रा, रूपाली त्रिपाठी, संदीप शुक्ला और पुष्पराजगढ़ बीपीएम आशीष मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा वही विकासखण्ड अनूपपुर से संकुल प्राचार्य एसके चौहान का सहयोग प्राप्त हुआ।

35 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर 95 लाख से अधिक का हुआ जुर्माना

अग्नि सुरक्षा संबंधी प्रावधानों का पालन नही करना पड़ा भारी

अनूपपुर।

जिले में फायर एनओसी के नियमों का पालन नही करने वाले संबंधित संस्थानों के विरूद्ध राज्य शासन के दिशा निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट आशीष वशिष्ठ के मार्गदर्शन में अनुविभागीय दण्डाधिकारियों द्वारा प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की गई है। जिसके तहत राजस्व एवं स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों द्वारा संबंधित संस्थानों में फायर एनओसी प्लान, अग्नि सुरक्षा संबंधी मानक उपकरण एवं अग्नि सुरक्षा संबंधी प्रमाण पत्र की कमियां पाए जाने पर मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम के मुताबिक तथा मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी दिशानिर्देश के परिप्रेक्ष्य में अनुविभागीय दण्डाधिकारी अनूपपुर द्वारा फायर एनओसी का उल्लंघन करने वाले 28 प्रतिष्ठानों के विरूद्ध 77 लाख की जुमार्ना राशि का नोटिस जारी किया गया है। इसी तरह अनुविभागीय दण्डाधिकारी पुष्पराजगढ़ द्वारा 02 प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी कर 5 लाख 24 हजार का जुमार्ना किया गया है। इसी तरह अनुविभागीय दण्डाधिकारी जैतहरी द्वारा 05 प्रतिष्ठानों को 13 लाख 75 हजार रुपये की जुमार्ना राषि जमा करने के संबंध में नोटिस जारी किया गया है। जिले में बड़े पैमाने पर की जा रही कार्यवाही से संबंधित प्रतिष्ठानों द्वारा सुरक्षा संबंधी प्रावधान के पालन हेतु कार्यवाही भी अपने स्तर पर की जा रही है। जुमार्ने की कार्यवाही राज्य शासन के दिशानिर्देश के मुताबिक भवन में अग्नि सुरक्षा संबंधी प्रावधानों की अनिवार्यता, नवीन भवन हेतु प्रावधान, फायर सेफ्टी प्लान, फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट प्रदाय हेतु फीस का निर्धारण, वार्षिक अग्निशमन ऑडिट रिपोर्ट की अनिवार्यता, फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट रिन्यूवल के संबंध में भी जानकारी दी जा रही है। जुमार्ने की नोटिस जिन संस्थाओं को दी गई है, उनके द्वारा अधिरोपित अर्थदण्ड की राशि जमा नही करने पर दण्डात्मक कार्यवाही की चेतावनी दी गई है। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने कहा कि जिले के सभी अस्पताल, होटल एवं अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों में फायर एनओसी प्लान, अग्नि सुरक्षा संबंधी मानक उपकरण एवं अग्नि सुरक्षा संबंधी प्रमाण पत्र शासन के दिए गए निदेशों के अनुसार अनिवार्यता से पालन किए जाएं, जिससे प्रतिष्ठानों में संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले के सभी प्रतिष्ठानों में अग्निशमन प्राधिकरण फायर संबंधी व्यवस्थाओं का समय-समय पर निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण करें। उन्होंने कहा है कि आवश्यक होने पर अग्निशमन संबंधी प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण हेतु फायर विशेषज्ञ की भी सलाह लें। उन्होंने कहा कि फायर ऑफिसर द्वारा ऐसे भवन जिनकी फायर ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है उनकी मासिक समीक्षा की जाए और न्यूनतम 10 प्रतिशत रेंडम प्रकरणों का चयन कर इसका औचक निरीक्षण किया जाए।